सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अब केरल क्रिकेट लीग में खेलते नजर आयेंगे सैमसन..... -पेज: 7

मैं इंडिया और हिंदी फिल्मों को बहुत मिस करती हूं..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 89 | मंगलवार 08 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

'जो चीन कहता है, वो राहुल गांधी बोलते हैं', राफेल को लेकर कांग्रेस नेता के बयान पर फूटा अमित मालवीय का गुस्सा

ऑपरेशन सिंदूर के समय पाकिस्तान और चीन ने भारतीय सेना के खिलाफ दुष्प्रचार किया। पाकिस्तान ने राफेल को मार गिराने का झूठा दावा किया जिसे भारत ने बेनकाब किया। फ्रांसीसी अधिकारियों के अनुसार चीन ने अपने दूतावास के माध्यम से राफेल की क्षमता पर सवाल उठाए।

नई दिल्ली (एजेंसी): ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और चीन ने मिलकर भारतीय सेना के खिलाफ खूब प्रोपेगेंडा चलाया था। पाकिस्तान ने झूठे आरोप लगाए थे कि उसकी सेना ने राफेल मार गिराया। हालांकि, भारत ने पाकिस्तान के सभी फेक न्यूज को एक्सपोज कर दिया था, लेकिन राहुल गांधी सहित कई कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि सरकार बताए कि क्या सैन्य संघर्ष के दौरान राफेल को नुकसान पहुंचा है? पाकिस्तान ने दावा किया था उसकी सेना ने भारत के तीन राफेल सहित पांच विमानों को मार गिराया है। इसी बीच फ्रांसीसी मिलिट्री और सीक्रेट अधिकारियों ने रविवार को दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान संघर्ष में राफेल की क्षमता पर सवाल खड़ा करने के लिए चीन ने अपने दूतावास का इस्तेमाल किया था। फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत पाकिस्तान संघर्ष के बीच चीन के विदेशी दूतावास में मिलिट्री डिप्लोमैट्स (डिफेंस अताशे) ने राफेल की बिक्री को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर साधा निशाना फ्रांसीसी मिलिट्री और सीक्रेट अधिकारियों के दावे के बाद भाजपा नेता अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी का चीनी सैन्य तकनीक के प्रति अजीब लगाव है। बार-बार, राहुल गांधी ने चीन की वकालत की है। इतना ही नहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख ने यह भी बताया कि कब-कब राहुल गांधी ने 'मेड इन चाइना' डिवाइस के इस्तेमाल करने की पैरवी की है। अमित मालवीय ने बताया कि लोकसभा (2021) में राहुल गांधी ने सवाल किया था कि भारतीय सेना चीनी शैली के निगरानी ड्रोन का उपयोग क्यों नहीं कर रही है। राहुल गांधी ने लद्दाख गतिरोध के दौरान प्ला की रणनीति की विचित्र रूप से प्रशंसा की। लंदन (2023) में एक अकादमिक बातचीत में उन्होंने दावा किया कि चीन "प्रौद्योगिकी की दौड़" जीत रहा है और भारत से ड्रोन युद्ध सहित चीनी सैन्य नवाचार से सीखने का आग्रह किया। रक्षा 'विशेषज्ञों' के साथ 2022 के बंद कमरे में चर्चा के दौरान, राहुल ने कथित तौर पर भारत से सीमा क्षेत्रों में चीन की सामरिक ड्रोन तैनाती के समान "विकल्प तलाशने" पर जोर दिया। चाहे वह भारत के सशस्त्र बलों को कमजोर करना हो या दुश्मन के मॉडल को बढ़ावा देना हो, राहुल गांधी देशभक्ति के विमर्श के गलत पक्ष पर खड़े होने में माहिर हैं। डसॉल्ट एविएशन के सीईओ ने क्या कहा? राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपियर ने भी यह साफतौर पर कहा है कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान किसी राफेल को नुकसान नहीं पहुंचा है एरिक ट्रैपियर ने कहा कि हम सबसे अच्छा और बेहतरीन फाइटर जेट बना रहे हैं। अगर आप हवा से हवा में युद्ध, जमीनी हमले और न्यूक्लिर डिटेरेंस के लिए कोई फाइटर जेट देखते हैं तो राफेल इसमें सबसे बेहतर है। उसका कोई मुकाबला नहीं कर सकता।

'मैं महाराष्ट्र में मराठी, लेकिन भारत में, भाषा विवाद के बीच बाल ठाकरे का पुराना वीडियो वायरल

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी भाषा को लेकर छिड़ी जंग के बीच शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बाल ठाकरे कहते हैं, "मैं महाराष्ट्र में मराठी हो सकता हूं, लेकिन भारत में हिंदू हूं। यह वीडियो ऐसे वक्त में सामने आया है जब उनके बेटे उद्धव ठाकरे और भतीजे राज ठाकरे ने मिलकर सत्ताधारी महायुति गठबंधन के खिलाफ मराठी भाषा को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। वीडियो में बाल ठाकरे कहते हैं कि भाषाई पहचान से ऊपर हिंदुत्व को अपनाना चाहिए। यह वीडियो तब वायरल हुआ जब उद्धव और राज ठाकरे मुंबई में "विजय रैली" में साथ नजर आए। यह रैली महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले के खिलाफ थी, जिसमें प्राइमरी स्कूलों में हिंदी को डिफॉल्ट भाषा बनाने का आदेश दिया गया था।

मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव ने अच्छा काम किया, लेकिन, बढ़ती गरीबी पर और क्या बोले नितिन गडकरी?

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने शनिवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश में गरीबों की तादाद बढ़ रही है और दौलत कुछ अमीरों के हाथों में सिमटती जा रही है। गडकरी ने इस बात पर चिंता जताई और दौलत के बंटवारे की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को इस तरह बढ़ाना होगा, जिससे रोजगार पैदा हो और गांवों का उद्धार हो। गडकरी ने कृषि, मैन्युफैक्चरिंग, टैक्सेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप जैसे कई मुद्दों पर भी बात की। 'दौलत का बंटवारा जरूरी' केंद्रीय मंत्री ने कहा, "धीरे-धीरे गरीबों की गिनती बढ़ रही है और दौलत कुछ अमीरों के पास इकट्ठा हो रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए।" उन्होंने अर्थव्यवस्था को ऐसा रास्ता देने की बात कही, जो रोजगार दे और गांवों को मजबूत करे। उन्होंने यह भी कहा कि दौलत का विकेंद्रीकरण जरूरी है और इस दिशा में कई बदलाव भी हुए हैं। गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्रियों पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह की तारीफ की, जिन्होंने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाया। उन्होंने कहा, "पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण को अपनाया, लेकिन फिर भी उन्होंने धन को केंद्रीकरण होने से नहीं रोका। खाली पेट वाले को दर्शन नहीं सिखाया जा सकता नितिन गडकरी ने भारत की आर्थिक संरचना पर भी रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि मैन्युफैक्चरिंग से जीडीपी में 22-24 फीसदी हिस्सा आता है, सर्विस सेक्टर से 52-54 फीसदी, जबकि कृषि, जो ग्रामीण आबादी का 65-70 फीसदी हिस्सा रखती है, केवल 12 फीसदी योगदान देती है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा, "खाली पेट वाले को दर्शन नहीं सिखाया जा सकता।"

मोहन सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं शिवराज सिंह, वे बताना चाहते हैं कि मैं हूं और कभी भी वापस आ सकता हूं- जीतू पटवारी

भोपाल (एजेंसी): कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर कई दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि मोहन यादव की सरकार को शिवराज सिंह चौहान अस्थिर करना चाहते हैं। शिवराज सिंह चौहान उनके कार्यकर्ताओं को बताना चाहते हैं मैं हूं और कभी भी वापस आ सकता हूं। बीते दिन शिवराज सिंह चौहान मानक बीज को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा शिवराज सिंह चौहान अपने आप को मध्यप्रदेश में राजनैतिक रूप से ज़िंदा रखना चाहते हैं। इसलिए वह ऐसे बयान दे रहे हैं। आज से मूंग खरीदी को लेकर होने वाली प्रक्रिया पर जीतू पटवारी ने कहा मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद देता हूं और गेहूं को खरीदी 2700 रुपए करने की मांग करता हूं जो 3100 रुपए धान खरीदी के लिए कहा था और 6000 रुपए सोयाबीन के लिए कहा था उसकी मांग करता हूं। जीतू पटवारी ने शिवराज सिंह को निशाने पर लेते हुए कहा कि रविवार को शिवराज सिंह ने कहा कि आमानक बीज यह उनका महकमा है और उनकी सरकार का पाप है। शिवराज जी आप बयान देकर नहीं बच सकते हो आप बयान देकर किसानों की सुहानूभूति नहीं ले सकते हो आप देश के कृषि मंत्री हो। हमने दो महीने पहले भी कहा था इसमें हजारों करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार होता है। दो हजार करोड़ रुपए की कमीशन बाजी का खेल होता है। यह मैं तथ्यों के साथ बता रहा हूं और यह कमीशन बाजी का खेल शिवराज सिंह चौहान की सरकार में भी होता था और मोहन यादव के कार्यकाल में भी हो रहा है। जीतू पटवारी ने कहा कि किसानों को अमानक बीज देने का पाप भारतीय जनता पार्टी को सरकार कर रही है। इसलिए शिवराज सिंह चौहान किसानों की सुहानूभूति लेना चाहते हैं। कीचड़ में जाकर और ऐसे बयान देकर मैं समझता हूं शिवराजसिंह अपने आप को राजनैतिक रूप से मध्यप्रदेश में ज़िंदा रखना चाहते हैं। मोहन यादव की सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। उनके कार्यकर्ताओं को वे बताना चाहते हैं कि मैं हूं कभी भी वापस आ सकता हूं।

'मैं विधानसभा चुनाव, पटना में गरजे बागेश्वर बाबा, गजवा-ए-हिंद के नारे के साथ की पदयात्रा की घोषणा

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान इन दिनों सूबे की सियासत का गढ़ बन चुका है। ताबड़तोड़ रैलियों के बाद अब गांधी मैदान में सनातन महाकुंभ लगा है, जिसके मंच पर खड़े होकर बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने फिर एक बार हिंदू धर्म को बचाने की हुंकार भरी है। भगवा-ए-हिंद मेरा सपनाः धीरेंद्र शास्त्री बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने गांधी मैदान में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "हमारा एक ही सपना है कि भगवा-ए-हिंद होना चाहिए। बागेश्वर बाबा ने शायरना अंदाज में कहा- 'हम किसी धर्म के विरोधी नहीं' पंडित धीरेंद्र शास्त्री के अनुसार, "हम किसी धर्म के विरोधी नहीं हैं। न हमें मुसलमानों से दिक्कत है और न हमें ईसाईयों से दिक्कत है। हमें तो उन हिंदुओं से दिक्कत है, जो जातियों के नाम पर हिंदुओं को बांटते हैं।" बिहार चुनाव पर क्या बोले बागेश्वर बाबा? बिहार के आगामी चुनावों के मद्देनजर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, "हम पटना में राजनीति के चक्कर में नहीं आए, हम कामनीति के चक्कर में आए हैं। हम किसी भी पार्टी के नहीं हैं, जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं हम उस-उस पार्टी के हैं।" बिहार में निकलेगी पदयात्रा गांधी मैदान के मंच से पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बिहार में पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, "मैं विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद बिहार में हम पदयात्रा करेंगे। ताकि वो यात्रा सिर्फ हिंदुओं के लिए हो, किसी दल विशेष के लिए नहीं।"

टिप्पणी भी करते हैं और उसी सरकार का समर्थन भी करेंगे... चिराग पासवान पर तेजस्वी ने क्यों साधा निशाना

राजद नेता ने कहा कि चिराग (पासवान) के पास स्पष्ट रूप से कोई विचारधारा नहीं है। वह (राज्य में) हो रहे अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन सरकार का समर्थन भी करेंगे। वह उन लोगों का समर्थन करते हैं जो संविधान को नष्ट कर रहे हैं

पटना (एजेंसी): बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर निशाना साधा। चिराग पासवान ने व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। बिहार में एनडीए के प्रमुख सहयोगी पासवान ने खेमका की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या के बाद राज्य में ध्वस्त कानून-व्यवस्था को लेकर सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने पासवान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पासवान राज्य में बढ़ते अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन उसी सरकार का समर्थन भी करेंगे। राजद नेता ने कहा कि चिराग (पासवान) के पास स्पष्ट रूप से कोई विचारधारा नहीं है। वह (राज्य में) हो रहे अपराधों पर टिप्पणी करते हैं, लेकिन सरकार का समर्थन भी करेंगे। वह उन लोगों का समर्थन करते हैं जो संविधान को नष्ट कर रहे हैं...उन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया है, न तो मंत्री के रूप में और न ही अन्यथा। वह सिर्फ अभिनय कर रहे हैं। राज्य में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि पासवान वर्तमान में अपने सहयोगी जीतन राम मांझी के साथ संघर्ष में हैं और उन्हें नहीं पता कि वह इस साल बिहार चुनाव लड़ेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि चिराग पासवान आगे क्या करेंगे या क्या नहीं करेंगे। फिलहाल उनका जीतन राम मांझी से टकराव चल रहा है। उनके और जीतन राम मांझी के बीच विवाद चल रहा है, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसका नतीजा क्या होगा। चिराग पासवान बकवास करते हैं। वह दो बार सांसद रह चुके हैं- क्या वह हमें बता सकते हैं कि उन्होंने क्या किया है? चिराग पासवान चुनाव लड़ते हैं या नहीं, मुझे नहीं पता। इसके बाद आरजेडी नेता ने राज्य में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएम ने "अपनी नैतिकता बेच दी है" और बिहार में "राक्षस राज" का दावा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और सीएम नीतीश कुमार के शासन में अपराधियों को जेलों से रिहा किया जा रहा है और राज्य की स्थिति के बावजूद "अराजकता और अपराध के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।"

'बिहार आओ; पटक-पटककर, भाजपा सांसद के चैलेंज पर जूनियर ठाकरे की चुनौती

महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर विवाद जारी है। मुंबई में हिंदीभाषी लोगों के साथ मारपीट की घटनाओं पर राजनीति गरमाई हुई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राज ठाकरे पर हमला बोलते हुए

नई दिल्ली (एजेंसी): महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मराठी ना बोलने वालों के साथ मारपीट के कई वीडियो सामने आए हैं। कुछ लोगों ने आरोप लगाए हिंदीभाषी लोगों के साथ एमएनएस के कार्यकर्ताओं ने मारपीट की है। इस पूरे मामले पर देश भर में राजनीति गरमा गई है। तमाम राजनीतिक दलों के नेता एमएनएस और राज ठाकरे पर निशाना साध रहे हैं। इस कड़ी में बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने भी राज ठाकरे पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे में इतनी ही हिम्मत है, तो वह बिहार आकर दिखाएं। पटक-पटकर मारा जाएगा। अब उनके बयान पर शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने पलटवार किया है। आइए आपको बताते हैं उन्होंने क्या कहा? आदित्य ठाकरे का निशिकांत दुबे पर पलटवार मुंबई में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मराठी भाषा विवाद पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि यह बिल्कुल भाजपा की मानसिकता है, जो महाराष्ट्र विरोधी है। हमने सभी से ऐसे गंदे दिमागों पर प्रतिक्रिया न करने को कहा है क्योंकि वे महाराष्ट्र में भय और अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। ये वही लोग हैं जो महाराष्ट्र में विभाजन पैदा करना चाहते हैं, और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे उन्होंने आरोप लगाया कि फूट डालो और राज करो भाजपा की चाल है। यह शुद्ध राजनीति है, भाजपा के सांसद की यह मानसिकता पूरी भाजपा का प्रतिनिधित्व करती है, यह उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व नहीं करती। पूरे देश से लोग सपने और उम्मीदें लेकर महाराष्ट्र आते हैं... हमारी लड़ाई सरकार के खिलाफ है, किसी भाषा के खिलाफ नहीं, निशिकांत दुबे उत्तर भारत के प्रतिनिधि नहीं हैं। हम हिंदी के खिलाफ नहीं: उद्धव ठाकरे वहीं, संवाददाताओं से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं, वे मराठी लोगों की तुलना पहलगाम के आतंकवादियों से कर रहे हैं, वे असली मराठी हत्यारे हैं, वे हिंदुओं को भी नहीं बचा सकते, वे उन लोगों का साथ दे रहे हैं जो मराठी के साथ अन्याय करते हैं। निशिकांत दुबे ने क्या कहा था? गौरतलब है कि भाषा विवाद के बीच निशिकांत दुबे ने एमएनएस अध्यक्ष निशिकांत दुबे पर जुबानी हमला बोला था। बीजेपी सांसद ने कहा था कि हिंदी भाषी लोगों को मुंबई में मारने वाले यदि हिम्मत है तो महाराष्ट्र में उर्दू भाषियों को मार कर दिखाओ, अपने घर में तो कुत्ता भी शेर होता है। कौन कुत्ता और कौन शेर, खुद ही फैसला कर लो। उन्होंने कहा कि आप किसकी रोटी खा रहे हैं। टाटा, बिरला, रिलायंस की महाराष्ट्र में यूनिट तक नहीं है। टाटा ने पहली फैक्ट्री तब के बिहार में बनाई। हमारे पैसे पर पल रहे हो, तुम कौन सा टैक्स दे रहे हो। कौन सी इंडस्ट्री आपके पास है, सारे माइंस हमारे पास हैं या फिर झारखंड के पास हैं या फिर अन्य राज्यों के पास के हैं।

संपादकीय

भाई साथ-साथ

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने त्रिभाषा फामूर्ले द्वारा मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की योजना का आरोप लगाया। हिन्दी को अनिवार्य बनाने के फैसले के विरोध में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मार्च निकालने की तैयारी में थे। मगर सरकार के फैसला वापस करने के बाद विजय रैली निकाली जिसमें शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ने कहा कि अब हम एक-दूसरे का साथ देने के लिए आ गए हैं। मिल कर आपको (सरकार) बाहर कर देंगे। राज ने कहा, किसी भी झगड़े या विवाद से महाराष्ट्र बड़ा है। हम बीस साल बाद साथ आ रहे हैं। जो काम बाला साहेब नहीं कर सके, वह देवेंद्र फडनवीस ने कर दिखाया। आपसी अनबन के दो दशक लंबे अंतराल के बाद दोनों नेताओं ने मंच साझा किया। भाजपा ने इसे खोए आधार को वापस पाने की हताश कोशिश और पारिवारिक मेल-मिलाप सरीखा ठहराया। उद्धव ने अपने संबोधन में कहा कि हम किसी को धमकाएगे नहीं, लेकिन उनको भी बर्दाश्त नहीं करेंगे जो हमें धमकाते हैं। उन्होंने सभी मराठियों को साथ आने, मराठियों की पहचान को मिटना नहीं चाहिए जैसी बातें कीं जबकि राज ने मराठी को अपना एकमात्र एजेंडा बताया और कहा, हम महाराष्ट्र को बंटता हुआ नहीं देखना चाहते। असल सवाल है, दोनों ठाकरे पुराने सारे मतभेद मिटा कर साथ कैसे काम करते हैं। हालांकि, दोनों चचेरे भाइयों का आनन-फानन मंच साझा करना, शुद्ध राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया कदम माना जा रहा है। एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने वाले ठाकरे बंधुओं को इसका प्रतिफल तो जनता ही देगी क्योंकि मात्र भाषा के मुद्दे से देशवासियों को प्रभावित कर पाना आसान नहीं है। दूरगामी राजनीति करने के लिए ठाकरे बंधुओं को भाजपा गठबंधन को चुनौती देने के लिए बड़े मुद्दे तलाशने होंगे। मराठी मानुष के पक्षधर रहे बाल ठाकरे जिस हिन्दुत्व का बखान करते रहे थे, यह राग बिल्कुल उसके विपरीत जाता प्रतीत हो रहा है। मराठी बोलने को लेकर हाथापाई और अभद्रता के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर जनता में नाराजगी है। मुंबई में उत्तर भारतीयों ही नहीं, दक्षिण भारतीयों के वोट बैंक को कई दशकों से तवज्जो दी जा रही है। हालांकि सत्ता के लिए गठजोड़ करना आम है परंतु ठाकरे परिवार की राजनीति ढुलमुलाती नजर आ रही है। तमाम कट्टरता के बाजूद राज को पिछले चुनावों में मिली करारी मात को भी नहीं भूलना चाहिए। भाषा, वेशभूषा या रहन-सहन के आधार पर देश को बांटा जाना उचित नहीं कहा जा सकता।

आमदनी चवन्नी खर्चा रुपैया

सनत जैन

कर्ज के कारण परिवार सहित आत्महत्या, चिंताजनक....

भारत जैसे विकासशील देश में आर्थिक असमानता और सामाजिक दबाव के बीच एक नई खतरनाक प्रवृत्ति उभर रही है। कर्ज के कारण परिवार सहित आत्महत्या करने की प्रवृत्ति दिनों दिन बढ़ती चली जा रही है। देश में यह ना केवल वित्तीय विफलता है।बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, मानसिक, स्वास्थ्य व्यवस्था और उपभोक्तावादी सोच की करुणामय त्रासदी भी है। पहले आम आदमी कर्ज मजबूरी के कारण लेता था। यह मजबूरी भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा या विवाह शादी जैसे कार्यक्रम के लिए कर्ज लिया जाता था। व्यवसायिक विस्तार के लिए भी छोटे-मोटे कारोबारी कर्ज लेते थे। भारतीय संस्कृति में कर्ज लेना सबसे बुरा माना जाता था। पहले सामाजिक व्यवस्था में कर्जदार व्यक्ति को सम्मान भी नहीं मिलता था। कर्ज भी व्यक्ति को उसकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए साहूकार से मिलता था। 2003 के बाद आसानी से बैंकों के माध्यम से कर्ज उपलब्ध होने लगा। बैंक और एनएफसी कंपनियां घर-घर जाकर लोन देने लगी। लोगों को मोबाइल, फोन, टीवी, फ्रिज, मोटर साइकिल, कार, पढ़ाई के लिए आसानी से कर्ज मिलने लगा। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन लॉटरी, ऑनलाइन गेम और जुए के लिए भी लोग कर्ज लेने लगे हैं। आमदनी चवन्नी और खर्चा रुपैया की प्रवत्ती बढ़ती जा रही है। जिसके कारण निम्न और मध्यम वर्ग कर्ज के बोझ से दब गया है। जब उसे कर्ज से उभरने का कोई रास्ता नहीं दिखता है। ऐसी स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को मारकर खुद आत्महत्या कर लेता है। ऐसे मामले लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। क्रेडिट कार्ड, ईएमआई, माइक्रो फाइनेंस, बाय नाउ-पे लेटर जैसी कर्ज की स्कीमें, जरूरत और विलासिता के बीच का अंतर मिटा चुकी हैं। आम आदमी सुविधाओं, भौतिक सुविधाओं और बाजारवाद के चंगुल में फंसकर कर्ज के मकड़ जाल में फंस जाता है। जिससे निकल पाना उसके लिए लगभग असंभव हो जाता है। किश्तों का बोझ, आय का अभाव, समाज का दिखावटी दबाव, आपसी प्रतिस्पर्धा यह सब मिलकर सामाजिक व्यवस्था मे कर्जदार को मानसिक रूप से तोड़ देता है। दिखावे की प्रवत्ति के कारण भारतीय समाज बड़े दबाव में है। 2003 के पहले यह दबाव देखने को नहीं मिलता था। बाजारवाद और दिखावे ने भारतीय समाज को आत्महत्या जैसे कृत्य के लिए मजबूर कर दिया है। अब हालात इतने विकट हो चुके हैं। व्यक्ति अकेले आत्महत्या नहीं कर रहा है। अपने छोटे-छोटे बच्चों, पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आत्मघात की प्रवत्ती दिनों दिन बढ़ती जा रही है। यह केवल आर्थिक असफलता नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दबाव का संकेत है। भौतिक आवश्यकताओं की मांग बढ़ने से भारत में यह परिवर्तन पिछले 20 वर्षों में देखने को मिल रहा है। व्यक्ति को जब लगता है, कर्ज से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। समाज उसे विफलता की नजर से देखेगा। ऐसी स्थिति में वह स्व्यं और परिवार को कष्ट से ह्मुक्तह्व करने के लिए परिवार के सदस्यों की हत्या एवं स्वयं आत्महत्या जैसा कदम उठाने लगा है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। इसके पीछे का मनोविज्ञान समझना समय की जरूरत है। पिछले एक दशक में जिस तरह से आम आदमी पर जुमार्ने और टैक्स बढ़ाए गए हैं। उसने लोगों की पूरी सोच को बदल दिया है। वास्तविक जरूरत से चार गुना खर्च बाजारवाद का दबाव है, जो दिखावे के कारण होता है। जिसके कारण लोग परेशान हैं। सरकार को चाहिए वह कर्ज माफी या स्कीमों तक सीमित ना रहे। व्यापक स्तर पर सामाजिक सोच में बदलाव, वित्तीय साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श और कर्ज के बोझ से दबे हुए लोगों को बाहर निकालने में सहायता देने का रास्ता विकसित करे। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक लोगों को सिखाया जाए, कर्ज एक सुविधा है। जिसे जरूरत होने पर ही उपयोग करना चाहिए। कर्ज लेते समय यह ध्यान रखना होगा, कर्ज चुकाना भी उसकी जिम्मेदारी है। समाज को ऐसे लोगों की मदद करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। उन्हें तिरस्कार की दृष्टि अथवा अपेक्षित करने से काम नहीं चलेगा। जब तक सरकार कर्ज को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित रखेगी। उससे समस्या का समाधान नहीं होगा। उल्टे यह त्रासदी के रूप में समस्या गहराती जाएगी। जरूरत है, इंसान को इंसान समझने की। गलतियों से समाज और व्यक्ति सीखता है। 2003 के पहले भारतीय समाज कर्ज को बुरा मानती थी। 2003 के बाद से कर्ज स्टेटस सिंबल बन गया है। इन दोनों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। कर्ज के कारण आत्महत्या और सामूहिक आत्महत्या की जो प्रवृत्ति बनी है, वह आगे चलकर और भी बढ़ेगी। यह स्थिति सामाजिक एवं कानून व्यवस्था के लिए भी बड़ी खतरनाक होगी। सामाजिक व्यवस्था में चोरी-डकैती और कई तरह के अपराध बढ़ेंगे। सरकार और सामाजिक संस्थाओं का इस समस्या पर चिंतन जरूरी है।

हिमालयी क्षेत्र : उड़ानों को नियंत्रित करना होगा

सुरेश भाई

मनुष्य अपनी यात्रा को आरामदायक और जल्दी पूरा करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल बड़ी तेजी से कर रहा है। आजकल मध्य हिमालय की देवभूमि उत्तराखंड स्थित चारधाम के दर्शन करने पहुंच रहे यात्री भी हेली सेवाओं के उपयोग करने में पीछे नहीं हैं।

अनेक कंपनियों के हेलीकॉप्टर यहां बड़ी संख्या में उड़ान भर रहे हैं, जिनके लिए गाइडलाइंस बनाई गई हैं। बावजूद इसके यात्रा शुरू होने के पिछले 40 दिनों में पांच हेलीकॉप्टर क्रैश हो गए हैं, अनेक तीर्थ यात्रियों की जान गई है।

इस उच्च हिमालयी क्षेत्र की संकरी घाटियों और ऊंचे-ऊंजे पर्वतों के बीच से गुजर रहे हेलीकॉप्टर्स पहले भी दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। अंधाधुंध उड़ानें और उनकी तेज आवाज हिमालय की पारिस्थितिकी पर विपरीत प्रभाव डाल रही हैं। हेलीकॉप्टरों की उड़ान के लिए मंदाकिनी नदी के तट से 600 मीटर की ऊंचाई तक का मानक है। यात्रियों की सुरक्षा के विषय पर भी विशेष सावधानी बरतने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन हेलीकॉप्टरों की गड़गड़ाहट से उच्च हिमालयी क्षेत्रों की जैव-विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा भी इस हिमालय क्षेत्र में उड़ानों के संबंध में सुझाव दिए गए हैं, जिन्हें केदारनाथ की हेली सेवाओं की गाइडलाइंस में शामिल किया गया है। यहां एक बार में दो हेलीकॉप्टर ही आना-जाना कर सकते हैं। सायं के समय की उड़ान

पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद यहां पर स्थित दुर्लभ वन्य जीव हिम तेंदुए, कस्तूरी मृग, भरड़, भालू, मोनाल समेत अनेक वन्य जीवों व पक्षियों के झुंड के बीच नीची उड़ान के कारण भगदड़ मच जाती है, जिस कारण असुरक्षित दिशा में भागने से इन बेजुबान जानवरों की चट्टानों से गिर कर मौत हो जाती है। वन विभाग भी इस बाबत चेतावनी देता रहता है, लेकिन जीव-जंतुओं का जान गंवाना जारी है।

चिंताजनक है कि हजारों हैक्टेयर में फैले केदारनाथ अभयारण्य, गंगोत्री वन्य जीव पार्क के जीव-जंतु सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हेलीकॉप्टरों की नीची उड़ान के कारण वन्यजीवों के सहवास पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस कारण उनकी संख्या भी घट सकती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नीची उड़ान के कारण ग्लेशियरों के पिघलने की दर भी बढ़ सकती है जबकि पर्यटकों और सैलानियों के सैर-सपाटे लिए ओम पर्वत जैसे ग्लेशियरों के ऊपर भी उड़ानें भरी जा रही हैं। अनियंत्रित पर्यटकों की आवाजाही इसका सबसे बड़ा कारण है क्योंकि बहुत समय से अनुभव किया जा रहा है कि चारधाम के यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए जब-जब राज्य सरकार और पर्यावरणविद् पहल करते हैं, तो स्थानीय स्तर पर पर्यटन से आय प्राप्त करने वाले संस्थान विरोध पर उतारू हो जाते हैं।

मध्य हिमालय में पहुंच रहे पर्यटक कम पैसे, कम समय में आरामदायक दर्शन करने के लिए हेली सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं, ऐसे में में सावधानी के लिए बनाई गई गाइडलाइंस का इस्तेमाल नहीं होता है तो उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर की क्रैश होने की घटनाओं को रोका नहीं जा सकेगा। लापरवाही और मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाएं हो रही हैं। अंधाधुंध हेली सेवाओं के ऊपर विशेष जांच और मॉनिटरिंग की आवश्यकता है जिसमें तकनीक आदि को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। मौसम विभाग की अधिकतर सूचनाएं सही साबित हो रही हैं। इसको भी ध्यान में रख कर उड़ानों पर नियंत्रण हो।

चारधाम में मई और जून के महीने में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं ने बहुत चिंताजनक स्थिति खड़ी की है जिसमें सबसे पहले 8 मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में हेलीकॉप्टर क्रैश में 6 लोग मारे गए थे जिसके चार दिन बाद बद्रीनाथ से लौट रहा एक अन्य हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 17 मई को एम्स की हेली एंबुलेंस किसी यात्री को लिफ्ट करने केदारनाथ जा रही थी, लेकिन क्रैश हो गई। 8 जून को केदारनाथ जाने वाला एक और हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा है एक हेलीकॉप्टर गौरीकुंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें सात लोगों की जान चली गई।

दूसरी ओर देखा जाए तो केंद्र सरकार ने चारधाम के लिए चौड़ी सड़कों का निर्माण लगभग पूरा कर दिया है, और इसमें दो बड़ी गाड़ियों के लिए आने- जाने की सुविधा है। जितने अधिक से अधिक लोग बस, टैक्सी और जमीन पर चलने वाले वाहनों से यात्रा करेंगे उससे स्थानीय होटल और ढाबों को भी रोजगार मिलेगा। पर्यटकों, यात्रियों, सैलानियों को भी यहां की प्रकृति का नजारा देखने को मिलेगा। बाहर से आने वाले लोगों की मुलाकात स्थानीय लोगों से होगी, वे यहां की संस्कृति और प्रकृति के साथ अनुकूल व्यवहार भी करेंगे। उत्तराखंड हिमालय की संवेदनशील स्थिति और यहां के पर्यावरण से प्लास्टिक उन्मूलन को ध्यान में रखते हुए बाहर से आने वाले लोगों की जिंदगी को बचाने के साथ ही हिमालय के इकोसिस्टम को भी बचा कर रखना होगा।

बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में ह्यऑल वेदर रोडह्व, हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि

देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवजे की घोषणाएं, और ह्यहम साथ हैंह्व जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर जमीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य जमीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममां तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 के अंतर्गत जनपद स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री धीरेंद्र प्रताप की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (PAI 2.0) के अंतर्गत जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (PAI 2.0) ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने और ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन को मापने का एक प्रभावी उपकरण है। यह कार्यशाला ग्राम पंचायतों के समग्र विकास को गति देने, डेटा आधारित नीति निर्माण को प्रोत्साहित करने, और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए आयोजित की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाना, उनकी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना, और ग्रामीण क्षेत्रों में समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। कार्यशाला में PAI 2.0 के तहत विभिन्न मापदंडों जैसे बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल प्रबंधन, और सामाजिक समावेशन पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, ग्राम पंचायतों द्वारा डेटा संग्रहण, उसका विश्लेषण, और विकास योजनाओं में इसके उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायतों से डेटा संचालित दृष्टिकोण अपनाने और स्थानीय संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह इंडेक्स ग्राम पंचायतों को अपनी प्रगति का मूल्यांकन करने और कमियों को दूर करने में सहायता करेगा। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने कहा कि PAI 2.0 को ग्रामीण विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास अभिकरण अम्बरीष कुमार एवं जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीमती पारुल सिसौदिया ने पंचायत सचिवों और बीडीओ को PAI 2.0 के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में तैनात जिला परियोजना प्रबंधक वसीम अकरम तथा डीपीरसी फैकल्टी अमरोहा श्री सतेन्द्र शर्मा के द्वारा ढअक2.0 के डैशबोर्ड और डेटा प्रबंधन प्रणाली पर प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने पंचायत सचिवों और अधिकारियों को डेटा संग्रह, सत्यापन, और अपलोड करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। साथ ही, डेटा विश्लेषण के माध्यम से विकास योजनाओं को प्रभावी बनाने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, जनपद स्तरीय समिति के सभी सदस्य, ब्लॉक स्तरीय लाइन डिपार्टमेंट के अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी और पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एंड एंटी करप्शन मिशन संगठन से मुरादाबाद मंडल प्रभारी बनाए गए सुधीर शर्मा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय मानवाधिकार एंड एंटी करप्शन मिशन संगठन से राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश उपाध्यक्ष के द्वारा मुरादाबाद मंडल से जिला अमरोहा के गजरौला धनोरा निवासी सुधीर शर्मा को मुरादाबाद मंडल प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है इस बात की जानकारी प्रेस नोट के माध्यम से देते हुए मानव अधिकार और एंटी करप्शन मिशन के प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष की संस्तुति पर जिला अमरोहा निवासी सुधीर शर्मा को मुरादाबाद मंडल प्रभारी नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि सुधीर शर्मा हाल में ही संगठन से जुड़े हैं लेकिन समाजसेवा के क्षेत्र में उनकी तेज-तर्रार सोच युवाशक्ति और जनहित के प्रति सजगता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि नवनियुक्त मंडल प्रभारी सुधीर शर्मा संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। उन्होंने कहा कि मैं सुधीर शर्मा को इस नई ज़िम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूँ कि वे अपने कर्तव्यों का निष्ठा व समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे उधर सुधीर शर्मा ने भी मुरादाबाद मंडल की जिम्मेदारी मिलने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय संरक्षक, राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन के सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझ पर भरोसा कर मुरादाबाद मंडल प्रभारी के रूप में ये जिम्मेदारी दी है मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ जनता के बीच रहकर जनता की सेवा और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लडूंगा और संगठन की मजबूती एवं विस्तार के लिए काम करूंगा ।।

एससी/एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन के शिक्षकों ने परिषदीय विद्यालयों के मर्जर एवं विलय का किया विरोध

अमरोहा (सब के सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट पर एससी/ एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जनपद इकाई के वेनर तले जिलाध्यक्ष करतार सिंह के नेतृत्व में सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों के मर्जर एवं विलय के विरोध में एक विशाल धरना एवं ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को दिया गया संगठन के हजारो शिक्षको ने इकट्ठा होकर पहले कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन किया जिसमें जनपद के सभी संगठनों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। जिलाध्यक्ष करतार सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जो स्कूलों का मर्जर किया जा रहा है वह बहुत ही निंदनीय है जिससे छोटे-छोटे गरीब बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएंगे जिला महामन्त्री पवन कुमार ने कहा कि सरकार को अपने फैसले पर पुनः विचार करना चाहिए सभी संगठनों के पदाधिकारियो ने ने अपने-अपने विचार रखें और कहा कि सरकार द्वारा जो स्कूलों का मर्जर किया जा रहा है वह बहुत ही गलत है संगठन इसका विरोध करता है और हमेशा करता रहेगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रकाश सिंह, विनोद कुमार, गौतम, पवन कुमार, जयवीर सिंह, हीरा सिंह, जयवीर सिंह, सतपाल सिंह, संजीव कुमार, रामवीर सिंह, ओमप्रकाश त्रिपाठी, रुपेन्द्र सिंह, मदन पाल सिंह, हरिराज सिंह, सोनू सिंह? शोभित सिंह, कविंद्र सिंह, ऋषिपाल सिंह, निर्देश कुमार, अशोक सिंह, अमरजीत सिंह, योगेश कुमार, महेश कुमार, निशि भूषण, वरन सिह, डा रेनू वडडा उमादेवी, शाहनवाज खान साबरी, जमशेद शरीफ, मोहम्मद आकिल रजा, सुशील नागर, राकेश चहल, यशपाल सिंह, इमरान पाशा, नखराज सिंह, मुकेश चौधरी, राजदीप सिरोही, प्रदीप गौतम, मतीन अहमद, विवेक शर्मा, विजेन्द्र सिंह, सुनील कुमार, लोकेश आर्य, पंकज आर्य, सुरेन्द्र व्यास, विरेन्द्र सिंह आदि सैकड़ो की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे

स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के लिए द आर्यस में मनाया गया फल दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यस, जोया में फल दिवस मनाया गया ' जिसमें किंडरगार्टन अनुभाग में नर्सरी से परिशा, अब्दुल अहद, मेवाड़ एवं हरप्रीत एल के जी से फायरहा, यूकेजी से इस्माइल और उमामा आदि बच्चों ने फैंसी ड्रेस के द्वारा विभिन्न फलों का रूप धारण करके फलों की उपयोगिता बताते हुए बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया ' परिशा, अब्दुल आहद, मेवाड़ एवं हरप्रीत आदि छात्र-छात्राओं ने सभी फलों में न्यारा सेब कविता गाकर फलों की महत्ता बताई ' इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने फलों के फायदे बताते हुए कहा कि फलों में पोषक तत्व पाए जाते हैं, और विभिन्न फलों का सेवन करने से हमें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, और उच्च रक्तचाप आदि बीमारियों से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं, शारीरिक ऊर्जा बढ़ाते हैं,रोग मुक्त बनाते हैं, तथा पाचन क्रिया में फलों की अहम भूमिका होती है इसलिए हमें हर रोज फलों का सेवन करना चाहिए ' इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह और निदेशक अमन लिट्ट व गौरव चौधरी ने फैंसी ड्रेस में आए बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों को अपने जीवन में ज्यादा से ज्यादा फलों का सेवन करना चाहिए ' कार्यक्रम का आयोजन चांदनी बत्रा ने किया तथा विशेष योगदान शिवानी सिद्धू व चिरंजीव कौर आदि का रहा ' इस अवसर पर चांदनी बत्रा, शगुफ्ता हामिद, विनीत कुमार शर्मा, सरिता, सुचित्रा, संतोष कुमार, अखिल गिरि, रिया, रिता, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, शिबा मॉरिस, सचिन शर्मा, सोनू, सुनीता चौधरी, रुकैया, ममता, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, शालिनी भारद्वाज, रोहित कुमार, सुमित चौधरी, खुशबू चौधरी, अभिषेक सुमन, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, तृप्ति भटनागर, आकाश शर्मा, आशीष दलवी, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, स्वाती भार्गव, सुमित कुमार, हरि नमन, राशि, अश्विनी, नाहिद नकवी, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, अंजना, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, रचना, सावन, हुमा बेबी आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे '

श्री राम पिता के वचनों का पालन करने के लिए चौदह वर्ष के लिए वन मे रहे:- पंडित छवि नाथ दुबे

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं श्री राम कथा के पांचवे दिन बनारस से आए कथा के व्यास पंडित छवि नाथ दुबे ने कहा कि बनवास के लिए जाते समय श्री राम के मना करने पर भी सीता जी ने श्री राम के साथ जाकर समाज को संदेश दिया कि पत्नी का धर्म है कि संकट के समय पति का साथ देना चाहिए। पत्नी का सबसे बड़ा धर्म है पति की निष्काम भाव से सेवा करना। ऐसा करने से धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है। आगे जब भरत लाल को पता लगता है कि श्री राम पिता के वचनों का पालन करने के लिए चौदह वर्ष के लिए वन को चले गए हैं। वशिष्ठ मुनि भरत जी से कहते हैं तुम राज काज संभालो तो भरत जी इसके लिए तैयार नहीं होते और श्री राम को वापस अयोध्या लाने के लिए परिवार के साथ वन में चित्रकूट में निवास कर रहे श्री राम के पास जाकर वापस अयोध्या लौटने की प्रार्थना करते हैं । राम के मना करने पर उनकी आज्ञा लेकर सिंहासन पर श्री राम की चरण पादुका को स्थापित करके उनकी पूजा करके स्वयं नीचे आसान पर बैठकर चौदह वर्ष तक अयोध्या का राजकाज चलाते हैं। भरत के जीवन में किसी तरह का लोभ मोह नहीं है। भरत के चरित्र का अनुसरण करके परिवारों में सामंजस्य बनाया जा सकता है। श्री राम चरित मानस हमें परिवार में परस्पर कर्तव्यों की शिक्षा देने का कार्य करती है। जिसका अनुसरण करके परिवारों में स्वर्ग का वातावरण बनाया जा सकता है। इस अवसर पर संगीत की टोली ने वाद्य यंत्रों के साथ धार्मिक गीत एवं भजन गाकर बातावरण को भक्ति मय कर दिया।

इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, महिपाल सिंह चौहान, देवेंद्र शर्मा , आश्रम परिवार से महंत श्री राजेंद्र मुनि महाराज, केशव मुनि, प्रवेश मुनि, स्वामी प्रभा मुनि, छवि मुनि, कृष्ण मुनि, ब्रह्मचारी मुनि, कमलेश मुनि, समय सिंह, उमेश चंद्र, सर्वेश ठाकुर, रक्षपाल सिंह, उमेश शर्मा, हरशरन सिंह, दीपक महंत, देवराज सिंह, आदि अनेकों संत महंत एवं भारी संख्या में क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

कावड़ यात्रा निकलने वाले मार्गो पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेटिंग व यातायात व्यवस्था का किया गया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत कांवड यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने एवं कांवड श्रद्धालुओं के सुगम आगमन हेतु सोमवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद एवं पुलिस अधीक्षक हापुड़ कुंवर ज्ञानंजय सिंह द्वारा संयुक्त रूप से कस्बा गजरौला क्षेत्रान्तर्गत नेशनल हाईवे, ब्रजघाट आदि कावड़ यात्रा निकलने वाले मार्गो पर बैरिकेटिंग की व्यवस्था व यातायात व्यवस्था आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विशेष रूप से यात्रा मार्गों पर सुगम यातायात संचालन, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, मेडिकल सुविधा एवं निगरानी के लिए प्रभावी सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यात्रा मार्ग पर लगनी वाली बैरिकेडिंग, पुलिस चेक पोस्ट एवं यातायात डायवर्जन की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया तथा मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्क रहकर समन्वयपूर्ण ढंग से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। यात्रा मार्गों पर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने हेतु ट्रैफिक पुलिस को रूट डायवर्जन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिये गये। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, महिला पुलिस की उपस्थिति हेत निर्देशित किया गया। ड्रोन व CCTV कैमरों के माध्यम से रियल टाइम निगरानी सुनिश्चित करने सीसीटीवी कैमरों की संख्या एवं कवरेज की समीक्षा कर निगरानी प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु निर्देशित किया गया ।

चाइनीज मांझा पर प्रतिबंध लगाने की की मांग

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने तहसील जाकर उप जिलाधिकारी आशुतोष तिवारी को एक ज्ञापन सौंप कर चाइनीस मांझा पर पूर्णत प्रतिबंध लगाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने बताया की चंदौसी नगर में चाइनीस मांझा से कई घटनाएं हो चुकी जो कि लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही हैं पिछले सप्ताह चार पांच लोगों की चाइनीस मांझा से घटनाएं घट चुकी हैं जिनसे वह मौत और जिंदगी से जूझ रहे हैं व्यापार मंडल ने मांग करते हुए कहा कि इस पर विशेष अभियान चलाकर चाइनीस मांझा बेचने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए जिससे लोगों को राहत मिले। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी, युवा नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय, राजीव शर्मा, परवेज आलम, ऋतिक वार्ष्णेय, अनूप कुमार शर्मा आदि व्यापारी मौजूद थे।

अल-अशरफ ट्रस्ट की ओर से कई स्थानों पर ताजियेदारों को शरबत और खाना किया गया वितरण

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के कई स्थानों पर अल-अशरफ ट्रस्ट के तत्वावधान में ऑल इंडिया उलमा व मशायख बोर्ड की ओर से शरबत और लंगर का आयोजन किया गया। इस दौरान यात्रियों और ताज़िया दारों को शरबत और खाना वितरण किया गया। सबील लगाने का मुख्य उद्देश्य शहीदाने कर्बला की याद को ताजा करना है, जिन्होंने कड़ी गर्मी में कर्बला के मैदान में अपनी कुर्बानियाँ दीं। इसी को ज़िंदा रखने के लिए हर साल की तरह इस साल भी सबील और लंगर लगाकर लोगों को पानी पिलाया गया। इस अवसर पर ज़िला संभल के जनरल सेक्रेटरी एडवोकेट शकील ने कहा कि सबील इमाम हुसैन की याद में लगाई जाती है। अस्मौली के नायब ज़िला सदर मौलाना इरफान अशरफी ने कहा कि जुलूस-ए-हुसैनी जिस रास्ते से निकलता है, वह हर समाज के लोगों को हक और बातिल तथा जुल्म और जर्ब के खिलाफ खड़े होने की तालीम देता है। संभल के नायब ज़िला सदर मुफ्ती गुलफाम रजा ने कहा कि कर्बला के रेगिस्तान की तपती धूप में हजरत इमाम हुसैन अ.स. की कि यादत में एक छोटा सा काफि ला दीन-ए-मुहम्मदी की बका के लिए डटा रहा। मौलाना अजीम अशरफ संभली, केंद्रीय कार्यालय इंचार्ज ने कहा कि सबील लगाना आलम-ए-इंसानियत को यह पैगाम देना है कि जो लोग पानी रोकते हैं उन्हें यजीदी कहा जाता है और जो पानी पिलाते हैं उन्हें हुसैनी कहा जाता है। क्योंकि ह्यजियो और जीने दोह्न का पैगाम दुनिया भर में आम करना है। तारीखों के अनुसार 7 मुहर्रम-उल-हराम को कर्बला में इमाम हुसैन अ.स. और उनके साथियों पर पानी बंद कर दिया गया था। यही वजह है कि ऑल इंडिया उलमा व मशायख बोर्ड की ओर से पूरे देश में मुहर्रम के दिनों में सबील और लंगर लगाकर बिना मजहब, बिना जात-पात के सभी को पानी पिलाया और खाना खिलाया जाता है। इस दौरान उम्मत-ए-मुस्लिमा में इत्तेहाद और भाईचारे का पैगाम दिया जाता है। कारी मुशर्रफ रजा ने कहा कि इमाम हुसैन सबके हैं, मुहर्रम-उल-हराम में अमन और भाईचारे के फरोग के लिए सबील-ए-हुसैनी का आयोजन किया गया है। कारी गुलजार अशरफ ने कहा कि सबील-ए-हुसैनी नई पीढ़ी को ईसार, मोहब्बत और उखुवत का सबक देती है। यह समाज में आपसी मेलजोल और सहनशीलता को बढ़ावा देती है। संभल यूनिट के सक्रिय सदस्य कसीम अशरफी संभली ने सभी स्थानों की जानकारी (दीपा सराय, सराय तरीन, पक्का बाग - दरिया सर कब्रिस्तान के पास, स्टेट बैंक सदीरनपुर अड्डा और गाँव के अंदर) देते हुए कहा कि हजारों लोगों ने इन सबीलों से लाभ उठाया। इसके अलावा चेयरमैन नगर पालिका संभल जनाब मुशीर चौधरी ने शिरकत करके उलमा व मशायख बोर्ड की इस भावना की सराहना की। इस अवसर पर तनबीर हुसैन अशरफी, डॉ. मुनव्वर ताबिश, सिकंदर नवाज, हाजी नकी, हाफि ज मुजीब-उर-रहमान, अब्दुल कादिर, हाफि ज अब्दुस्समद, मोहम्मद अली, अदनान, मोहम्मद अशरफ, हाफि ज सरताज, सलमान, अब्बास, कारी फुरकान, हाफि ज अली, जनाब गुफरान, हाजी इकराम, फरमान अशरफी, शहाब आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, बाइक सवार युवक की मौके पर मौत

सम्भल(सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के चन्दौसी रोड पर एक तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार 32 वर्षीय युवक मोहम्मद उवैस की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक उवैस, सम्भल के थाना हयातनगर क्षेत्र के गांव मऊ भुड़ का रहने वाला था। वह दिल्ली में फर्नीचर का काम करता था और परिवार का एकमात्र सहारा था। उसके एक डेढ़ साल का छोटा बच्चा है और वह बहनों की शादी का कर्ज चुका रहा था। उवैस के निधन की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। तीन भाई और चार बहनों वाले इस युवक की अचानक हुई मौत ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। परिजनों बिना किसी कानूनी कार्यवाही के उवैस को सुपुर्द ए खाक कर दिया।

भाकियू शंकर के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

प्रदेश व जनपद के किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- भारतीय किसान यूनियन शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने संगठन के पदाधिकारियों को साथ लेकर अमरोहा जिला अधिकारी के माध्यम से किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा है कि संगठन निम्नलिखित समस्याओं का समाधान चाहता है जिसमें 1- देश में किसानों को केसीसी के लिए खाता लाइफटाइम के लिए दिया जाए, जिस बैंक में मिनिमम ब्याज दर की सुविधा हो,किसान अपना केसीसी खाता उस बैंक में पोर्ट करा सके।भारत सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया है, परंतु सभी बैंकों ने अभी तक इसे लागू नहीं किया है। 1 अप्रैल 2025 से लागू करते हुए सभी किसानों को लाभांवित किया जाए , तहसील स्तर पर भूमि बंधक या मुक्त करने की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए उसमें किसानों को तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें। 2- मोदी - योगी सरकार द्वारा किसानों को यूरिया-डीएपी के साथ

में जबरन तरीके से नैनो यूरिया पर वितरित किये जाने पर तत्काल प्रतिबंध किया गया है, जनपद में भी इसको लागू किया जाए। प्रदेश में जैविक-प्राकृतिक खेती को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है, किंतु किसानों द्वारा इन विधियों से उत्पादित सभी फसलों व उत्पादों को उनका उचित मूल्य नहीं मिलने से किसान हताश है, सरकार को किसानों से प्राकृतिक-जैविक फसलों व उत्पादों को उचित मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था करनी चाहिए।3- सूत्रों से ज्ञात हुआ है की उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन घरेलू विद्युत दरों में बढ़ोतरी करने जा रही है, भारतीय किसान यूनियन (शंकर) इसका भारी विरोध करता है, घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के करीब आधे मीटर गलत गणना कर अधिक बिल निकालकर उपभोक्ताओं की आर्थिक रूप से कमर तोड़ रहें हैं, इसके लिए एक अभियान चलाते हुए इनको तत्काल बदलवाया जाए। साथ ही विधुत विभाग में फैले भृष्टाचार पर भी तत्काल रूप से रोक लगाई जाए। 4- अमरोहा जनपद का सृजन हुए 28 वर्ष हो चुके हैं, जिले के समुचित व समग्र विकास के लिए अमरोहा विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए , मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के कर्मचारी गण हमारे जनपद के व्यक्तियों के साथ सौतेला व्यवहार करते हैं, नक्शा पास करने के नाम पर अवैध उगाही कर रहे हैं ,अमरोहा का किसान जब अपने किसी कार्य के लिए मुरादाबाद जाता है तो वहां पर उसका मजाक बनाया जाता है।

गंगा धाम तिगरी में विद्युत शवदाह गृह के निर्माण के साथ ही तिगरी से ब्रजघाट तक गंगा रिवर फ्रंट बनाते हुए इसे पर्यटक स्थल घोषित किया जाए। 5- जब जब मौसम में बदलाव या धुंध वगैरा आता है तो गजरौला में स्थित इंडस्ट्रीज द्वारा द्वारा बहुत ही जहरीली व प्रदूषित गैस छोड़ी जाती है, जिससे जनमानस को सांस लेने में तकलीफ के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य पर भी बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ता है, इस जहरीले प्रदूषण पर तत्काल रूप से प्रतिबंध लगाया जाए। 6-मध्य गंगा नहर फेस टू का कार्य पूर्ण कर तत्काल पानी छोड़ा जाए, वातावरण में जीव जंतुओं को खतरनाक पेस्टिसाइड के बागों में हो रहे स्प्रे को रोकने को, तहसील क्षेत्र में गांव के क्षतिग्रस्त सड़कों व संपर्क मार्ग को सही कराया जाए। 7-सभी रासायनिक उर्वरकों व पेस्टिसाइडों का सैंपलिंग कराया जाए , इफको जैसी संस्था में अभी राजस्थान में छापा पड़ा तो सभी उर्वरक नकली बन रहे थे, इफको के उत्पाद पर किसान काफी भरोसा करता है जोकि नकली पाए गए हैं, जो किसान की भूमि को उसर बनाने का काम कर रहे हैं, आज से 3 वर्ष पूर्व भी संगठन ने इफ्को की सैंपलिंग कराई थी तो सभी नमूने फेल पाए गए थे, इससे किसान को काफी हानि हो रही है , उसकी फसल के साथ उसकी भूमि भी खराब हो रही है। 8- जनपद की सभी नवनिर्मित तहसील भवन नौगावां सादात, सदर अमरोहा व हसनपुर में रजिस्ट्रार कार्यालय को भी संचालित कराया जाए। 9-जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग NH9, स्टेट हाईवे, ग्रामीण सड़क ओवरलोड वाहनों के चलते क्षतिग्रस्त हो रही हैं, जिसमें ईंटों के ट्रैक्टर के छक्के,अवैध बसों की डग्गामार,गन्ने से बड़े ट्रॉलो व ट्रक के कारण दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं, समय रहते इनको व्यवस्थित करने का कार्य किया जाए जिससे सड़क पर कोई भीषण दुर्घटना ना हो। 10-जनपद की वेव शुगर मिल धनौरा किसानों व अपने कर्मचारियों का उत्पीड़न कर रही है, लगभग एक माह का 34 करोड़ रुपया किसानों का दबाए बैठी है , इसके साथ चीनी मिल में लगभग 105 गन्ना क्रय केंद्र पर 105 चौकीदार व 150 तोलबाबू हैं, जिनको 5000 चौकीदार व 12 से 15 हजार तोल बाबू को वेतनमान दिया जाता है जिस कारण वह किसानों से एक पर्ची पर 60 किलो गन्ना काटते हैं, संगठन मांग करता है कि उक्त कर्मियों को बेजबोर्ड में शामिल करते हुए उनका वेतन बढ़ाया जाए और किसानों से गन्ने पर कोई कटौती न की जाए। 11-जनपद अमरोहा के किसान हित में जिला सहकारी बैंक बोर्ड अमरोहा का गठन किया जाए।

गंदे पानी में चलने को मजबूर मोहल्ले के लोग, बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित

गायत्री कॉलोनी में 15 वर्षों से विकास ठप, नाले बंद, बीमारी का खतरा बढ़ा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई कस्बे के गायत्री कॉलोनी वार्ड संख्या 7 में जलभराव की विकट स्थिति बनी हुई है। बारिश के पानी और नालों के जाम होने के कारण गंदा पानी गलियों से होते हुए अब घरों तक पहुंच चुका है। स्थानीय निवासी गंदे और कीचड़ भरे पानी में चलकर अपने जरूरी काम निपटाने को मजबूर हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले 15 वर्षों से मोहल्ले में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है, और इतने लंबे समय से कोई जिला स्तर का अधिकारी इस क्षेत्र में नहीं आया। मोहल्लेवासियों ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष से भी शिकायत की गई, मगर उनका जवाब था कि छह

महीने बाद आपकी सुनवाई होगी।ह्व बच्चों की पढ़ाई भी हो रही बाधित गायत्री कॉलोनी के निवासी डॉ. औरंगजेब ने बताया कि जलभराव के कारण बस्ती के छोटे-छोटे बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। कीचड़ से भरी गलियों में निकलते वक्त कई बच्चे फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे उनके कपड़े गंदे हो जाते हैं और वे स्कूल लौट जाते हैं। इससे बच्चों की शिक्षा पर सीधा असर पड़ रहा है। स्थानीय निवासी मुकीम ने बताया कि "हम जानवर पालते हैं, ऐसे में चारा और राशन लाना भी बेहद मुश्किल हो गया है। घरों में पानी घुस चुका है, नाले पूरी तरह जाम हो चुके हैं। कई बार सभासद से शिकायत की, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ।" अधिकारियों की सफाई और वादे इस समस्या को लेकर जब नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू से बात की गई तो उन्होंने बताया कि "इस समस्या की जड़ रेलवे है। हमने संबंधित योजना को मंजूरी के लिए भेज दिया है। डीएम साहब के साथ बैठक हो चुकी है। दो-तीन दिन में स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर जारी कर दिए जाएंगे और अगस्त माह तक समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।"

सर्व समाज के युवाओं के विकास की तरफ ध्यान दें सरकार:- हाजी मुला आरिफ

गढ़मुक्तेश्वर/ हापुड (सब का सपना):- बहुजन समाज पार्टी के जिला पंचायत सदस्य हाजी मुला आरिफ ने केंद्र व प्रदेश सरकार से मांग की है कि सर्व समाज के युवाओं के विकास की तरफ सरकार ध्यान दें। पूर्व की बसपा की सरकार की तर्ज पर युवाओं को रोजगार दें। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती के नेतृत्व में 2027 में सरकार बनने पर सबका साथ, सबका विकास"के साथ बसपा के सरकार में युवाओं को रोजगार दिया जाएगा "सभी के साथ, सभी का विकास" के रूप में 2027 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी। समावेशी विकास नीतियों और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाकर प्रदेश के युवाओं को रोजगार दिया जाएगा प्रदेश के नागरिकों की भलाई सुनिश्चित कर दलित मुस्लिम ओबीसी एवं वंचित और हाशिए पर मौजूद समुदायों को आगे बढ़ने का काम किया जाएगा। बहन जी की सरकार में विकास का लाभ सभी तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचा। चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, लिंग, या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से हों। सामाजिक न्यायः बसपा सरकार का लक्ष्य है कि सभी नागरिकों को समान अवसर मिलें और सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाए। बसपा के जिला पंचायत सदस्य हाजी मुला आरिफ ने आगे कहा कि कहा बसपा सुप्रीमो बहन कुमारी मायावती गरीबी उन्मूलन सरकार गरीबी और असमानता को कम करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी, ताकि सभी नागरिकों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। सरकार विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाएं चलाती है, जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा, और सामाजिक सुरक्षा, जो नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मदद करती हैं।

ताजिया रखने के दौरान तोड़फोड़: पाकिस्तान के समर्थन में लगाए नारे, महिला समेत तीन गिरफ्तार

बरेली: बरेली के फरीदपुर के साहूकारा बाजार में रविवार को ताजिया रखने वाली जगह के पास स्थित दुकान में तोड़फोड़ की गई। पुलिस के सामने ही बाजार लूटने की धमकी दी गई। विरोध में व्यापारियों ने बाजार बंद करा दिया। हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारी भी मौके पर आ गए। सड़क पर दरी बिछाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें मनाकर ताजिये निकलवाए। दरोगा जसवीर सिंह ने अनस, अलतमस, सलीम आढ़ती के छोटे बेटे, मोबीना उर्फ छोटी बहन और पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने वाली मोबीना, अनस और नाजिम को गिरफ्तार किया गया है। फरीदपुर कस्बे के साहूकारा बाजार में रविवार तड़के ताजिया रखने के दौरान कुछ खुराफातियों ने कपड़े की दुकान का स्लैब तोड़ दिया। शटर को भी तोड़ने की कोशिश की। घटना सीसीटीवी में

कैद हो गई। फुटेज में एक युवक स्लैब तोड़ता दिख रहा है। रविवार सुबह व्यापारियों ने यह हाल देखा तो आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर बाजार बंद करवा दिया। सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करने लगे। तब तक एसडीएम फरीदपुर मल्लिका नैन व सीओ संदीप कुमार सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। व्यापारियों को समझा-बुझाकर मनाया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। टूटता शटर तो लुट जाती दुकान साहूकारा मोहल्ले में रविवार को तोड़फोड़ के बाद व्यापारियों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू किया तो मौके पर पहुंचे आरोपियों ने उनको धमकाया। कहा कि अगर किसी ने उन पर मुकदमा दर्ज कराया तो उसे जान से मार देंगे। पुलिसकर्मियों के सामने ही मोबीना ने दुकान लूटने की धमकी दी। सभी आरोपी पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाते हुए वहां से चले गए। इससे डरे व्यापारी तहरीर देने की हिम्मत भी नहीं जुटा सके। तब दरोगा जसवीर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई। दरोगा ने लिखाया कि आरोपियों ने दुकान में लूट के उद्देश्य से शटर तोड़ने की कोशिश की। अगर शटर टूट जाता तो दुकान भी लुट जाती। प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। कहा कि यह पुलिस का ड्यूटी प्वॉइंट है। ताजिया रखने के दौरान भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रही होगी। ऐसे में जब खुराफाती यहां तोड़फोड़ कर रहे थे तो पुलिसकर्मी कहां थे? व्यापारियों ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों से दोषियों का पता लगाकर उनकी गिरफ्तारी की जाए। विवाद के बाद यहां पुलिस बल तैनात किया गया है। पीएसी भी बुला ली गई है। एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने टीम के साथ कस्बे में पैदल गश्त की। वह थाने में ही कैंप कर रही हैं। गिरफ्तार की गई मोबीना सभासद का चुनाव लड़ चुकी है। वह इलाके में राशन कार्ड बनवाने, आवास, पेंशन आदि का काम कराने के लिए

श्री श्याम झूला महोत्सव कार्यक्रम के लिए भूमि किया गया पूजन

पिलखुआ/हापुड (सब का सपना):- श्री श्याम शाखा परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा 12 जुलाई को होने वाले श्री श्याम झूला महोत्सव कार्यक्रम के लिए भूमि पूजन किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम वेद पूजन के साथ किया गया। मुकेश वर्मा ने बताया कि 12 जुलाई को श्री श्याम झूला महोत्सव रामलीला मैदान में मनाया जाएगा। इसके उपलक्ष्य में शनिवार को रेलवे रोड से निशान

यात्रा निकल जाएगी। इस मौके पर मुख्य पूजन अतुल शर्मा ,निधि शर्मा द्वारा कराया गया इस मौके पर मुकेश वर्मा, हेमा वर्मा, वंशिका ,मनीष मनीष तायल, शिल्पी ,केशव ,सर्वप्रिय, अभिषेक गोयल ,तरुण कुमार, ललित गर्ग, पीयूष गोयल ,नेहा गोयल ,संजीव गोयल ,निर्मल गोयल, गौरव शर्मा, राधा शर्मा, गुंजन गुप्ता, सुरेखा रानी, तपन शर्मा, कविता शर्मा, ललित गर्ग, अंजलि गर्ग, नितिन तायल, निधि तायल ,वरुण शर्मा ,दिनेश गुप्ता, सुरेश चंद्र रोहिल्ला, राजेंद्र सिंह ,अनुराग गोयल, शशांक टोंक विकास , जतिन आदि उपस्थित रहे।

अलीगढ़ में हुई रिकॉर्ड बारिश, मंगलवार को इन 10 जिलों के लिए अलर्ट

अलीगढ़: उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में सोमवार को हुई अच्छी बारिश के साथ मानसून की सक्रियता दिखाई दी। वहीं पूर्वी यूपी के ज्यादातर हिस्सों में धूप-छांव भरे मौसम के बीच उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। सोमवार को पश्चिमी यूपी के अलीगढ़ में प्रदेश में सर्वाधिक 117 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं मुरादाबाद में 106 मिमी, संभल में 95 मिमी और रामपुर में 83 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार को यूपी के पश्चिम और तराई के 10 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही 52 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले पांच दिन मानसून की सक्रियता में कमी और बारिश के मद्धिम पड़ने के संकेत हैं। इस दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों

में बादलों की आवाजाही के साथ छिटपुट बूंदाबांदी के ही आसार हैं और अच्छी बारिश की संभावना न के बराबर है। यहां भारी बारिश की संभावना बहराइच, लखीमपुर खीरी, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, शाहजहांपुर, जालौन, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में। यहां है मेघगर्जन और वज्रपात होने की संभावना बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिजार्पुर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुर्खाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

नेशनल हाईवे 9 पर खड़े ट्रक में पीछे से घुसी कार

हादसे में कार सवार दंपती की मौके पर मौत,दो बच्चे गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- कोतवाली के नेशनल हाईवे 9 पर दर्दनाक हादसा हो गया।जहां एक तेज रफ्तार कार हाईवे किनारे खड़े खराब ट्रक में पीछे से घुस गई, जिसमें कार सवार दंपति की मौके पर मौत हो गई और उन्हीं के साथ कार में मौजूद उनके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर लोगों की भीड़ जुड़ गई उधर पुलिस भी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई जिसने घायल बच्चों को अस्पताल भिजवाया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 स्थित नोबल पब्लिक स्कूल के सामने का है जहां पर एक तेज रफ्तार कार वहां खड़े खराब ट्रक के पीछे से घुस गई। कार में चार लोग मौजूद थे जिनमे दंपति जवाद जैदी व उनकी पत्नी साथ में उनके दो बेटे थे। हादसा इतना भयानक था की टक्कर लगते ही कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार दंपति जावेद जयदेव उनकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई और उनके दो बेटे गंभीर रूप से घायल होगए। उधर हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों एवं राहगीरों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। सूचना पाकर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बताया जा रहा है कि जावेद जैदी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दिल्ली से अमरोहा ड्यूटी पर लौट रहे थे। जावेद जैदी अमरोहा स्पेशल ब्रांच में कांस्टेबल के पद पर तैना थे। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हादसे में घायल दोनों बच्चों को बेहतर उपचार के लिए गजरौला से मुरादाबाद भेजा गया है। इसके अलावा पुलिस मामले की जांच में भी पूरी तरह से जुट गई है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश बनी आफत, एनएच-9 पर लगा भीषण जाम; तस्वीरों में देखिए हाल

दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से बारिश हो रही है जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए भी हल्की से मध्यम वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सुबह से बारिश हो रही है। वहीं, इंतजार के बाद हुई झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई है। उधर, फरीदाबाद में लंबे इंतजार के बाद आज सुबह तेज बारिश हुई। दिल्ली का मौसम पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार, विकास मार्ग क्षेत्र में भी तेज बारिश हुई। बारिश से पांडव नगर के नजदीक अंडरपास में जलभराव हुआ है। (लेन बदलकर विपरीत दिशा में चलते वाहन) उधर, एनएच-9 पर विनोद नगर डिपो के पास जलभराव हुआ है, जिस वजह से एनएच-9 पर टोल के पास वाहन जाम में फंसे हुए हैं। इस दौरान कुछ वाहन लेन बदलकर विपरीत दिशा में भी चलते दिखे। फरीदाबाद में एक लंबे इंतजार के बाद सोमवार सुबह

मेघ बरस ही पड़े। तेज हवा के साथ सुबह साढ़े पांच बजे वर्षा शुरू हुई। इससे पूर्व एक सप्ताह पहले वर्षा हुई थी, पर उसके बाद मानसून के बादल बन तो रहे थे, लेकिन बिन बरसे ही कहीं चले जाते थे। इस कारण से जबरदस्त उमस भरा माहौल हो गया था। वहीं, उमस भरी गर्मी में लोग परेशान हो रहे थे। गर्मी के कारण बिजली की मांग भी एक फिर बढ़ गई थी। अब वर्षा होने से कुछ राहत मिलेगी। मेघ बरसने के साथ ही बिजली भी गुल हो गई है। इधर, सप्ताह का पहला दिन होने और सुबह के समय वर्षा शुरू होने से ऑफिस जाने वालों लोगों और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होगी। क्योंकि शहर की सड़कें जलमग्न होनी शुरू हो गई हैं। रेवाड़ी में झमाझम वर्षा रेवाड़ी में भी एक सप्ताह बाद रेवाड़ी में गरज चमक के साथ फिर वर्षा हो रही है। सुबह तीन बजे से शुरू हुई वर्षा से जगह-जगह पानी भर गया। इससे पहले पिछले सोमवार को भी इसी प्रकार की वर्षा हुई थी। इसके बाद पूरे सप्ताह भर कभी बादल छाए रहे तो कभी हल्की धूप निकलती रही। इससे उमस भरा माहौल बना हुआ था। सेक्टर एक रेवाड़ी में सड़क पर वर्षा के चलते जलभराव। (जागरण) पिछले दो दिनों से धूप कम निकली थी। सोमवार को सुबह से कभी तेज तो कभी हल्की वर्षा होने से एक ओर जहां उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। वहीं जगह-जगह जलभराव से सड़कें और पार्क लबालब हैं। सीवर सिस्टम की बदहाली से प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। सेक्टरों की सड़कें भी जलभराव से तालाब बनीं हैं। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए भी हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री कम 35.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री अधिक 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 87 से 69 प्रतिशत रहा। जहां तक वर्षा का सवाल है तो शाम साढ़ पांच बजे तक सफदरजंग में 0.8 मिमी, लोधी रोड में 1.5 मिमी, राजघाट में 0.1 मिमी, नजफगढ़ में 19.0 मिमी, मुंगेशपुर में 0.5 मिमी और पालम में बूंदाबांदी दर्ज की गई।

तीन साल से फरार चल रहा नीरज बवाना गैंग का हथियार तस्कर मुंबई से पकड़ा, दो फरार साथियों की तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने अंतरराज्यीय हथियार तस्कर सोनू उर्फ शीनू को मुंबई से गिरफ्तार किया है। वह कुख्यात नीरज बवाना गैंग का सक्रिय सदस्य है, पिछले तीन सालों से फरार था और पुलिस की पकड़ से बचने के लिए मुंबई में छिपा हुआ था। उसे हथियार तस्करी के मामले में अदालत ने घोषित अपराधी घोषित किया था। स्पेशल सेल की टीम में इंस्पेक्टर मनेंदर सिंह, नीरज कुमार और संदीप यादव शामिल थे। एसीपी संजय दत्त के नेतृत्व में मुंबई से 2 जुलाई 2025 को सोनू को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे बोरीवली कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसकी ट्रांजिट रिमांड ली गई। स्थानीय पुलिस को भी उसकी गिरफ्तारी की सूचना दी गई है। हरियाणा के पानीपत का रहने वाला सोनू 10वीं तक पढ़ा है। वह गलत संगत में पड़कर नीरज बवाना गैंग से जुड़ गया था। 2022 में उसने गैंग के लिए अवैध हथियारों की सप्लाई की थी। उसी साल उसके साथी सचिन को पुलिस ने चार कट्टे, दो मैगजीन, 79 कारतूस और पांच बैरल क्लीनिंग रॉड के साथ गिरफ्तार किया था। इस मामले में सोनू फरार हो गया था और मुंबई जाकर नाम बदलकर ड्राइवर की नौकरी करने लगा। उसके दो अन्य साथी अरविंद और दीपक पकसमा अभी भी फरार हैं। माना जा रहा है कि वे विदेश में हैं। सोनू का नाम पहले भी एक शराब तस्करी के मामले में उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में दर्ज हुआ था। फिलहाल गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

बंद कमरे में मिला बिहार के युवक की मिली सड़ी गली हालत में लाश, हत्या की आशंका; जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी दिल्ली। न्यू उस्मानपुर इलाके में रविवार शाम एक बंद कमरे में सड़ी गली हालत में एक युवक का शव बरामद हुआ है। हत्या की आशंका जाहिर की जा रही है। शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा है। कमरे में बाहर से ताला लगा हुआ था। मृतक की पहचान मोहम्मद इदरीस के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उस्मानपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवक ने पिछले कुछ दिनों में मोबाइल पर किससे बात की थी। इसका भी पता लगाया जा रहा है। मृतक मूल रूप से बिहार के किशनगंज के निवासी मोहम्मद इदरीस मूलरूप से बिहार के किशनगंज स्थित ठाकुरगंज के रहने वाले थे। वह उस्मानपुर तीसरे पुश्ते पर एक कमरा किराये पर लेकर रह रहे थे। वह तंदूर की रोटी बनाने का काम करते थे। स्थानीय लोगों को इदरीस के कमरे से पिछले दो दिनों से दुर्गंध आ रही थी। रविवार को काफी दुर्गंध बढ़ गई। इसके बाद लोगों ने मकान मालिक से शिकायत की। मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजे का ताला खोला गया। अंदर जाकर देखा तो मोहम्मद इदरीस का शव फर्श पर पड़ा हुआ था। मौके पर क्राइम और फारेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जमा किए गए। पुलिस पता लगा रही है मोहम्मद इदरीस के साथ कौन-कौन रहता था।

पुलिस ने गोगी गैंग के तीन बदमाशों को किया गिरफ्तार, दिल्ली के इस इलाके में की थी ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुख्यात गोगी गैंग के दो शातिर अपराधियों और एक किशोर अपराधी को गिरफ्तार किया है। ये तीनों रोहिणी के केएन कटजू मार्ग थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना में वांछित थे। पुलिस ने इनके कब्जे से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, छह कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई दो हीरो स्प्लेंडर बाइक भी बरामद की हैं। स्पेशल सेल की ट्रांस यमुना रेंज की टीम इंस्पेक्टर सुनील तेवतिया के नेतृत्व और एसीपी कैलाश बिष्ट की देखरेख में लगातार आरोपितों की तलाश में जुटी थी। 13 जून 2025 को टीम को सूचना मिली कि बदमाश उमेश शर्मा अवैध हथियार के साथ टिकरी खुर्द इलाके में आने वाला है। पुलिस

ने तुरंत जाल बिछाया और उमेश शर्मा को एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल व चार कारतूस के साथ दबोच लिया। साथ ही, फायरिंग में इस्तेमाल बाइक भी बरामद कर ली गई। पूछताछ में उमेश ने खुलासा किया कि उसने अपने साथी चिराग उर्फ काला, सनी और एक किशोर अपराधी के साथ मिलकर 9 जून 2025 को रोहिणी सेक्टर-16 में घर के बाहर खड़ी गाड़ियों पर फायरिंग की थी। इसके बाद पुलिस टीम ने बाकी आरोपितों की तलाश जारी रखी। 27 जून 2025 को सूचना के आधार पर पुलिस ने नरेला के कलाम चौक इलाके से सनी उर्फ सनील को गिरफ्तार किया। उसके पास से भी एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए गए। वारदात में इस्तेमाल दूसरी बाइक भी बरामद कर ली गई। फिलहाल, मामले की आगे की जांच चल रही है। आरोपित उमेश शर्मा (21) हरियाणा के भोंडसी का रहने वाला है, जिसने 10वीं तक पढ़ाई की है। आर्थिक तंगी और गलत संगत के कारण वह अपराध की दुनिया में आया। उसके खिलाफ पहले भी भोंडसी और गुरुग्राम में कई केस दर्ज हैं। वहीं, सनी उर्फ सनील (22) दिल्ली के बकनेर, नरेला का निवासी है, जिसने 12वीं तक पढ़ाई की है। वह भी गलत संगत में पड़कर अपराध की दुनिया में शामिल हुआ। पुलिस की इस कार्रवाई से गोगी गैंग के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और इलाके में अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिली है

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की तुर्किये की सेलेबी कंपनी की याचिका, ये है पूरा मामला

नई दिल्ली। विमानन नियामक बीसीएएस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में तुर्किए कंपनी सेलेबी की फर्मों की सुरक्षा मंजूरी रद के निर्णय के विरुद्ध तुर्किये की कंपनियों द्वारा दायर याचिकाओं को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने अपना निर्णय सुनाया। पहलगाम हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई की तुर्किए द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने 15 मई को सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद कर दी थी। जेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और जेलेबी दिल्ली कार्गो टर्मिनल मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सुरक्षा मंजूरी रद करने के खिलाफ याचिका दायर की है। अदालत ने 23 मई को दोनों पक्षों को सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था। सेलेबी ने तर्क दिया था कि इस मामले में बगैर नोटिस दिए सुरक्षा मंजूरी रद करने के कारण प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन हुआ है। वहीं, बीसीएएस ने याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि देश के सुरक्षा खतरे की अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए बिना चेतावनी दिए सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद की गई।

दिल्ली भैरों मार्ग अंडरपास को लेकर बड़ा अपडेट, मंत्री प्रवेश वर्मा ने जल्द पूरा करने का किया वादा

नई दिल्ली। दिल्ली में निमार्णाधीन भैरों मार्ग रिंग रोड टी पॉइंट अंडरपास के निरीक्षण के बाद लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि इंडिया गेट के पास जो टनल बनी है, भारत सरकार के आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय के तहत यह कार्य हो रहा है। बताया कि 80 फीसदी फंडिंग वहां से मिल रही है और 20 फीसदी आईटीपीओ से फंड मिला है। 2023 में जो बाढ़ आई थी उसमें 10 बॉक्स जो बन रहे थे, उसके कारण काम रुक गया था, इसके बाद आईआईटी दिल्ली , आईआईटी मुंबई ने स्टडी किया, मगर कोई ऑप्शन नहीं निकला तो हम फिर से कम हाइट के तहत बनाएंगे। अभी आखिरी मीटिंग महुआ के साथ होनी

है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा अभी हम रेलवे लाइन के नीचे मौजूद हैं, जब तक यह काम नहीं होगा, यहां से गुजरने वाली ट्रेनों की स्पीड भी यहां पर कम रहेगी। पानी अंडरपास में दोबारा ना आए इसके लिए भी प्रिकॉशन लिए जा रहे हैं, हमे जैसे ही MOHUA से क्लेरेंस मिलती है तो हम इसे 8 से 9 महीने में पूरा कर देंगे जो कि एक बहुत बड़ा काम होगा। इस काम को पीडब्ल्यूडी कर रही है। पिछली सरकार में काम लेट इसलिए होता था, क्योंकि कोई भी फॉलोअप नहीं होता था, कोई भी काम हो रहा है या नहीं हो रहा इसकी सरकार को कोई भी चिंता नहीं होती थी। हमने आने के बाद इसको फॉलो किया है। बताया कि DDA, MOHUA , ITPO के साथ लगातार फॉलोअप रखा है, सारे डिपार्टमेंट के साथ हमारा फॉलोअप चल रहा है। पिछली सरकार ने बाढ़ को रोकने के लिए भी कोई कदम नहीं उठाए थे, लेकिन आप दिल्ली वासियों से हमारा वादा है कि कितनी भी बारिश हो दिल्ली में बाढ़ नहीं आएगी। भैरों मार्ग से सराय काले खां तक का रूट बनेगा और इससे आम जनता को काफी फायदा पहुंचेगा। वहीं, मंत्री ने नंद नगरी गगन सिनेमा फ्लाईओवर के काम की भी मौके पर जाकर जानकारी ली। उनके साथ इलाके के सांसद मनोज तिवारी की मौजूद थे।

जिन्हें समझा गया था ईमानदार, वही सब-रजिस्ट्रार करते पाए जा रहे भ्रष्टाचार

नई दिल्ली। पूर्व की सरकार ने जिन अधिकारियों को ईमानदार समझते हुए उन्हें सब- रजिस्ट्रार जैसे अति संवेदनशील पद पर लगाया था, वे भ्रष्टाचार करते पाए जा रहे हैं और सरकार को पलीता लगा रहे हैं। ऐसे ईमानदार कहे जाने वाले तीन साल के अंदर रिश्वत के मामले में दो सब रजिस्ट्रार गिरफ्तार हो चुके हैं, कई औरों की भी इसी तरह की गतिविधियों की चर्चा है और अब गत 17 जून को भ्रष्टाचार के मामले में एक और सब रजिस्ट्रार का सीबीआइ की एफआईआर में नाम आया है। नंद नगरी डीएम कार्यालय स्थित विवेक विहार क्षेत्र के लिए निर्धारित कार्यालय में यह महिला सब रजिस्ट्रार तैनात हैं। इनका नाम प्रवीण मैसी है। इस मामले में दलाल (डीड राइटर) श्याम कुमार की रिश्वत लेने हुए गिरफ्तारी हो चुकी है। सीबीआई की टीम कर रही इनके खिलाफ कार्रवाई सीबीआई की टीम ने इन सब-रजिस्ट्रार का मोबाइल नंबर जब्त कर लिया है, जिसकी जांच की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि सीबीआइ को इनके खिलाफ पर्याप्त सुबूत मिल चुके हैं, जल्द ही इन पर गाज गिरने की संभावना है। मगर हैरानी की बात यह है कि सीबीआइ की एफआइआर में नाम आने के बाद भी प्रशासन की ओर से इनके खिलाफ कोई जांच या कार्रवाई अभी तक नहीं की गई है। एएम राव को 10 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया दिल्ली में 22 सब-रजिस्ट्रार हैं। इन्हें 18 कार्यालयों में तैनात किया गया है। भ्रष्टाचार और रिश्वत के खेल के कारण कई बार कुछ कार्यालय चर्चा में भी रहते रहे हैं। इसी क्रम में शिकायत मिलने पर सितंबर 2022 में को सीबीआइ ने नजफगढ़ के सब-रजिस्ट्रार एएम राव को 10 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। उसने उधार के बदले एक निजी कंपनी को गिरवी में रखी गई जमीन के कागजात को कंपनी के पक्ष में जारी के लिए बदले 15 हजार रिश्वत मांगी थी।

दिल्ली में चाणक्यपुरी से एयरफोर्स ऑफिसर्स मेस तक फैला आम का जादू, फल-उल्लास का दिखा अनूठा संगम

नई दिल्ली। इस सप्ताह दिल्ली ने आमों की ऐसी खुशबू ओढ़ी कि पूरे शहर को मैंगो कैपिटल में बदल दिया। चाणक्यपुरी के एनडीएमसी सभागार में आयोजित दो दिवसीय आम महोत्सव का रविवार को रंगारंग समापन हुआ। वहीं, दूसरी तरफ इंडिया गेट के समीप आकाश एयर फोर्स आफिसर मेस में जीबी पंत यूनिवर्सिटी और जीबीआर फाउंडेशन के सहयोग से विशिष्ट आमों की प्रदर्शनी सजाई गई। दोनों कार्यक्रमों ने स्वाद, संस्कृति और विज्ञान का संगम रचते हुए हजारों दर्शकों को आम- रस में सराबोर किया। एयर फोर्स मैस में सैन्य गरिमा और फल-

उल्लास का अनूठा संगम दिखा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वीसी डा. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि उनके बागानों में 236 और देश भर में लगभग 1200 किस्में संरक्षित हैं। जिनमें से कई का व्यावसायिक मूल्यांकन चल रहा है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित सहित शीर्ष अधिकारी परिवार के साथ जीबी पंतनगर यूनिवर्सिटी द्वारा प्रदर्शित 45 किस्मों के आम रसास्वादन करने पहुंचे। इसमें अंगूर लता, टोमी एटकिंस, पंत सिंदुरी, वनराज और सेंसेशन तक हर फल की कहानी वैज्ञानिकों ने विस्तार से सुनाई। चाणक्यपुरी सभागार में दशहरी, लंगड़ा, चौसा, तोतापरी, अल्फांसो, मल्लिका जैसी देशी किस्मों से लेकर मिस्र के केंट मैक्सिको के हेडन और थाईलैंड के नम डोक माई तक की विदेशी प्रजातियों ने अपनी सुगंध बिखेर। वहीं, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, आंध्र, महाराष्ट्र और गुजरात से आए किसानों ने दर्शकों को आम की विशेषता बताई और जैविक खेती की तकनीकों के लाइव डेमो भी दिया।

दिल्ली में 25 साल पुराने सिस्टम के भरोसे वाहनों की प्रदूषण जांच व्यवस्था, फरीदाबाद में ऐसे हो रहा बड़ा खेल

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर हाय तौबा मची हुई है। सरकार द्वारा तय अवधि पूरी कर चुके वाहनों को पेट्रोल पंपों से पेट्रो पदार्थ देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह कवायद इसलिए हो रही है कि 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल के वाहन अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। हालांकि, आम लोगों की नाराजगी के बाद सरकार ने उक्त निर्णय को वापस लेने का मन बना लिया है। इन सबके बीच दिल्ली में वाहनों में प्रदूषण जांचने की व्यवस्था वही 25 वर्ष पुराने सिस्टम से हो रही है। पुराने सिस्टम के साथ ही जांच में मानव हस्तक्षेप के चलते तय उम्र से पहले के वाहनों के प्रदूषण फैलाने के बावजूद रिपोर्ट गलत आने की आशंका रहती है। वहीं, दैनिक जागरण की पड़ताल में कुछ सेंटरों पर इससे संबंधित खामिया मिली। अधिक धन लेकर मानक नहीं पूरी करने वाले वाहनों को भी पीयूसी प्रमाणपत्र दे दिया गया। दिल्ली में वर्ष 2000 में प्रदूषण जांच को अनिवार्यता किया गया है। इसके लिए पेट्रोल पंपों समेत अन्य स्थानों पर पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण में) केंद्र स्थापित किए गए हैं। मौजूदा समय में दिल्ली में करीब एक हजार पीयूसी सेंटर संचालित हो रहे हैं। दिल्ली में औसतन प्रतिदिन 50 हजार से अधिक वाहनों की जांच होती है। इस सेंटरों में 644 पेट्रांल पंप तो बाकि वर्कशाप्स, सर्विस सेंटर और अन्य सार्वजनिक जगहों पर बने हुए हैं। मामले के जानकारों के अनुसार, ये पीयूसी सेंटर गैस एनालाइजर मशीन (जीएएम) आाधारित हैं, जो काफी पुराने हैं। साथ ही इसके संचालन के मानव हस्तक्षेप है, जिसमें गड़बड़ी होती है। जबकि कई देश में,रिमोट सेंसिंग तकनीक के साथ ही लेजर व सेंसर आधारित जांच व्यवस्था है। जो पूरी तरह से स्वतः संचालित है, जिसमें गड़बड़ियों की आशंका न के बराबर रहती है। अमेरिका व यूरोपीयन संघ में ओबीडी तकनीक से जांच की जाती है। यह तकनीक वाहनों में ही व्यवस्थित रहती है।

100 करोड़ की लागत से बने एयरपोर्ट ड्रेन का द्वारका के लोगों को नहीं मिल रहा फायदा, हो रहा जलभराव

पश्चिमी दिल्ली। करीब तीन वर्ष पूर्व प्रदेश के उपराज्यपाल वीके सक्सेना जब 100 करोड़ रुपये की लागत से डीडीए द्वारा बनाई जा रही एयरपोर्ट ड्रेन परियोजना का जायजा ले रहे थे, तब उन्होंने कहा था कि इस परियोजना के पूरा होने पर न सिर्फ एयरपोर्ट बल्कि इससे सटे द्वारका सेक्टर आठ व आसपास के क्षेत्रों में होने वाले जलभराव की समस्या से लोगों को निजात मिल जाएगी।लेकिन आज हालात कुछ और ही हैं। तीन वर्ष बाद ड्रेन निर्माण के करीब करीब पूरा होने के बाद एयरपोर्ट को तो वर्षा जल के भराव से निजात मिल गई है, लेकिन सेक्टर आठ के लोगों को जलभराव की समस्या से निजात नहीं मिली है। जलभराव को लेकर डीडीए नहीं ले रहा कोई सुध सेक्टर आठ के निवासियों का कहना है कि वर्षा के दौरान एयरपोर्ट का जो पानी ड्रेन से निकलकर बाहर आता है, वह सेक्टर आठ की सड़कों, पार्कों में फैल जाता है। यह पानी कभी घंटों तो कभी कई दिनों तक सड़क पर जमा रहता है। लोग परेशान होते हैं। लेकिन डीडीए को इसकी कोई फिक्र नहीं है। डीडीए ही क्यों, कोई भी सरकारी एजेंसी इस समस्या के समाधान में रुचि नहीं दिखा रही है। सेक्टर आठ निवासी अमित बताते हैं कि जिस ड्रेन के लोग इलाके के लिए वरदान मान रहे थे, आज वही ड्रेन अभिशाप बन चुका है। डी ब्लॉक में ड्रेन का पानी खुले हिस्से में फैल जाता है, जो कई कई घंटे तक जमा रहता है। समस्या यह है कि डी ब्लॉक की सड़कों की दशा भी सही नहीं है। वर्षा जल की निकासी के लिए सही नालियां नहीं हैं। कुल मिलाकर यहां रहने वाले मुसीबत के भंवर में फंसे हैं।

दिल्ली में स्पेशल सेल का बड़ा एक्शन, गैंगस्टर कपिल सांगवान का शॉर्पशूटर गिरफ्तार; हरिद्वार में किया था मर्डर

नई दिल्ली। गैंगवार में हरिद्वार में व्यवसायी की गोली मारकर हत्या करने वाले कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के शॉर्पशूटर को स्पेशल सेल की टीम ने नरेला से गिरफ्तार किया है। मृतक की प्रतिद्वंद्वी मंजीत महल गैंग के प्रमुख सदस्य का चचेरा भाई होने के कारण निशाना बनाकर हत्या की गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद से आरोपित फरार था और नेपाल भाग गया था। आरोपित की पहचान पंजाब फगवाड़ा के समी खान उर्फ सनी के रूप में हुई है, जिसके कब्जे से एक पिस्टल और तीन कारतूस बरामद किए गए हैं। उपायुक्त अमित कौशिक के मुताबिक, दो जून को सुखी नदी, खड़खड़ी, हरिद्वार के पास एक होटल व्यवसायी पर गोलीबारी की घटना थाना कोतवाली, हरिद्वार में दर्ज की गई थी। इसके पीछे गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू का नाम सामने आया, जिसने अपने शूटरों को प्रतिद्वंद्वी मंजीत महल गिरोह के एक प्रमुख सदस्य का करीबी रिश्तेदार होने के कारण सांपला, रोहतक के अरुण उर्फ सुखा को खत्म करने के लिए भेजा था। कपिल सांगवान और मंजीत महल के बीच दिल्ली में गैंगवार का लंबा इतिहास रहा है।

वहीं, दिसंबर 2016 में, मंजीत महल ने कपिल सांगवान के साले सुनील उर्फ डाक्टर की हत्या कर दी थी, जिससे गैंगवार बढ़ी और नतीजतन नजफगढ़ और दिल्ली-एनसीआर के आस-पास के इलाकों में दो गिरोहों के बीच संघर्ष में एक दर्जन से अधिक लोगों की जान चली गई। फिलहाल, मंजीत महल दिल्ली जेल में है, जबकि कपिल सांगवान विदेश से अपनी गतिविधियां चला रहा है। वहीं, जांच के दौरान स्पेशल सेल की टीम ने बाहरी दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में स्रोतों को तैनात किया, जिससे पता चला कि हरियाणा और दिल्ली में व्यवसायी की हत्या करने के लिए नंदू द्वारा पंजाब के शूटरों का इस्तेमाल किया गया था। गुप्त जानकारी के आधार पर इंस्पेक्टर अनुज नौटियाल और इंस्पेक्टर चंदन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने 30 जून को नरेला से समी खान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने दोस्त हिमांशु के माध्यम से गैंगस्टर कपिल सांगवान के संपर्क में आया था। कपिल सांगवान ने उन्हें गिरोह में शामिल करने से पहले प्रतिद्वंद्वी मंजीत महल गिरोह के सदस्य के एक रिश्तेदार को खत्म करने का आदेश दिया। जिस पर समी खान और हिमांशु ने वारदात को अंजाम देने के लिए पंजाब के तीन और युवाओं को शामिल किया और दो जून को खरखरी के पास एक होटल के पास अरुण की गोली मारकर हत्या कर दी।

रियाद से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट हुई डायवर्ट, वजह स्पष्ट नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियाद (सऊदी अरब) से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-926 को अचानक जयपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान रविवार शाम 5 बजे के बाद रियाद से रवाना हुआ था और इसका निर्धारित आगमन समय रात 1 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर था। हालांकि, दिल्ली पहुंचने से पहले ही विमान को जयपुर में उतार दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, डायवर्जन की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। एअर इंडिया ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

यात्रियों में असमंजस, एयरलाइन की चुप्पी

फ्लाइट के डायवर्ट होने की सूचना मिलने के बाद यात्रियों और उनके परिजनों में चिंता फैल गई। दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट का इंतजार कर रहे परिजन अचानक स्टेटस में बदलाव देखकर परेशान हो गए। सोशल मीडिया पर भी यात्रियों ने जानकारी न दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई है। राहत की बात यह रही कि जयपुर में विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो गई और सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं।

हरियाणा में महिला से चलती ट्रेन में गैंगरेप, फिर रेलवे ट्रैक पर फेंका, पैर कटा

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा के पानीपत रेलवे स्टेशन पर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां दो युवकों ने एक 35 वर्षीय महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और फिर उसे जबरन ट्रेन में बैठाकर सोनीपत ले गए। वहां उन्होंने महिला को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया, जहां से गुजरती ट्रेन ने महिला का एक पैर काट दिया। घायल अवस्था में महिला को ट्रैक के पास पड़े देख स्थानीय लोगों ने जीआरपी को सूचना दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर सोनीपत जीआरपी मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल महिला को पहले जिला नागरिक अस्पताल और फिर पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। जहां उसका आपरेशन किया गया। पीड़िता ने डॉक्टरों को आपबीती सुनाई और मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। महिला पानीपत की रहने वाली है और 23 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थी। उसके पति ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

नवी मुंबई के एक गोदाम में लगी भीषण आग, कई वाहन जलकर हुए खाक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई के तुर्भे सेक्टर-20 स्थित एपीएमसी मार्केट के पास स्थित एक ट्रक पार्किंग क्षेत्र के गोदाम में देर रात भीषण आग लग गई। हादसे में कई वाहन जलकर खाक हो गए, जिससे भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। देर रात को ही आग बुझाने का ऑपरेशन शुरु कर दिया गया। धुआं और गर्मी की तीव्रता के कारण आग पर काबू पाने में खासी दिक्कतें आईं हैं।

किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

प्रशासन के मुताबिक, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, गोदाम में रखे इंधन, प्लास्टिक सामग्री और अन्य ज्वलनशील सामान के कारण आग तेजी से फैली। प्रशासन ने इलाके को घेरकर लोगों को दूर रहने की अपील की है।

अचानक रुकी ट्रेन, यात्री पहुंचे गार्ड के डिब्ब में देखा तो सभी बेसुध मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सहारनपुर के बीच में चलने वाली पैसेंजर ट्रेन अपने गंतव्य को जा रही थी। दिल्ली से ठीकठाक चली। सभी निर्धारित स्टेशनों पर रुकते हुए चल रही थी। ट्रेन में ज्यादातर डेली पैसेंजर सवार थे। इन पैसेंजरों का पता होता कि ट्रेन किस समय कौन से स्टेशन पर पहुंचेगी और कहां पर कितनी देर ठहराव होगा?

इस दौरान बागपत के अलावलपुर हॉल्ट में ट्रेन रुक गयी। यात्री को लगा कि कोई दूसरी ट्रेन का पास (पहले गुजारना) होगा, इसलिए रुकी होगी, लेकिन काफी देर तक कोई ट्रेन दोनों ओर से नहीं आयी। कुछ यात्री उतरकर नीचे आ गए। इस कूछेक यात्रियों की नजर गार्ड के डिब्बे में पड़ी। उसमें किसी तरह की हलचल नहीं हो रही थी। क्योंकि जब ट्रेन बीच में या किसी हॉल्ट में खड़ी हो जाती है, गार्ड ट्रेन डिब्बे से लटककर आगे की ओर नजर दौड़ता है। लेकिन गार्ड नहीं दिख रहा था। यात्रियों को पहले लगा कि हो सकता है कि गार्ड कोई काम कर रहा होगा, लेकिन ज्यादा देर तक दिखा तो यात्रियों को शक हुआ। कुछ यात्री भागकर गार्ड डिब्बे की ओर गए। पहले नीचे से आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं आया तो ऊपर चढ़ अंदर चले गए। अंदर का सीन देखकर यात्री हैरान हो गए। ट्रेन के गार्ड नशे में धुत पड़े हुए थे। उनको होश नहीं था। लोगों ने झट से इसका वीडियो बनाया। वीडियो में एक बोतल भी दिखाई गयी है, जो शराब की बताई जा रही है। इस वजह से ट्रेन करीब 40 मिनट तक खड़ी रही। इसके बाद ट्रेन आगे की ओर रवाना हुई।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के 3 उग्रवादी गिरफ्तार, दो किशोर भी हिरासत में

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है जबकि दो किशोरों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित 'पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (पीआरईपीएके) के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को रविवार को केइराओ खुनोऊ क्षेत्र से पकड़ा गया, जिनमें से दो किशोर हैं जिनके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

26 को मालदीव जा सकते हैं पीएम मोदी, स्वतंत्रता दिवस समारोह के बनेंगे मुख्य अतिथि

-मुइज्जू ने पिछले साल प्रधानमंत्री को इस अवसर के लिए किया था आमंत्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 26 जुलाई को मालदीव जा सकते हैं। यह नवंबर 2023 में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद से मालदीव की उनकी पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी के मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल 2024 में पीएम मोदी को इस अवसर के लिए आमंत्रित किया था, जिसे हाल ही में मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने अपनी भारत यात्रा के दौरान दोहराया।

यह संभावित यात्रा भारत और मालदीव के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी। बता दें मुइज्जू की इंडिया आउट नीति और भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग के कारण मालदीव और भारत के बीच कुछ समय तक तनाव रहा था। हालांकि हाल के महीनों में मालदीव ने भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। मुइज्जू ने पिछले साल अक्टूबर में भारत की यात्रा की थी, जहां दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी में बदलने पर सहमति जताई थी।

भारत ने मालदीव की वित्तीय चुनौतियों से निपटने के लिए 30 बिलियन रुपए और 400 मिलियन डॉलर की द्विपक्षीय मुद्रा स्वैप समझौते के तहत सहायता प्रदान करने का भी फैसला लिया था। मालदीव हर साल 26 जुलाई को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है, जो 1965 में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने की याद दिलाता है। इस दिन रंगारंग परेड, राष्ट्रीय कैडेट कोर और राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा की प्रस्तुतियां, स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन और झंडा फहराया जाता है। यह आयोजन मालदीव की राजधानी माले में होता है।

2025 में यह मालदीव का 60वां स्वतंत्रता दिवस होगा, जिसे और भी खास बनाने के लिए भारत के पीएम मोदी की उपस्थिति को अहम माना जा रहा है। बता दें कि 2025 में भारत और मालदीव के राजनयिक संबंधों की भी 60वीं वर्षगांठ है। मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक अहम रणनीतिक साझेदार है। इस संभावित यात्रा के दौरान पीएम मोदी भारत द्वारा समर्थित परियोजनाओं का उद्घाटन कर सकते हैं, जिसमें ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना शामिल है। यह परियोजना माले को विलिंगिली, गुल्हीफाल्हु और थिलाफुशी से जोड़ने वाली भारत द्वारा वित्त पोषित एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है। भारत ने इस परियोजना के लिए 400 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट और 100 मिलियन डॉलर का अनुदान प्रदान किया है।

बता दें मालदीव के विदेश मंत्री खलील इस साल तीन बार भारत आए, जो दोनों देशों के

बीच संबंधों को मजबूत करने की मालदीव की मंशा को दर्शाता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी खलील के साथ मुलाकात के दौरान भारत की मालदीव के विकास और प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई थी। यह यात्रा यदि होती है, तो मुइज्जू के कार्यकाल में पीएम मोदी की मालदीव की पहली यात्रा होगी।

ब्रिटिश के फाइटर प्लेन को ठीक करने 24 इंजीनियरों की टीम पहुंची तिरुवनंतपुरम

तिरुवंनतपुरम। केरल में तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी के कारण लगभग एक महीने से फंसा ब्रिटिश रॉयल नेवी का एफ-35 लड़ाकू विमान आखिरकार मरम्मत के लिए 24 इंजीनियरों की एक टीम तिरुवनंतपुरम पहुंची है। बता दें कि तकनीकी खराबी के कारण 14 जून को तिरुवनंतपुरम के एयरपोर्ट पर इसे उतारा गया था।

यह टीम विमान में आई खराबी का पता लगाएगी। इसके बाद मरम्मत का काम शुरू होगा। विमान की कीमत लगभग 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटिश उच्चायोग के एक प्रवक्ता ने बताया कि इंजीनियरों की टीम तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि रिटेन की एक इंजीनियरिंग टीम को एफ-35बी विमान का आकलन और मरम्मत करने के लिए तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भेजा गया है। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि ब्रिटेन ने हवाई अड्डे के रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) केंद्र में विमान को ले जाने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इस बारे में भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत चल रही है। रविवार को ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स एयरबस ए400एम एटलस एफ-35 लड़ाकू विमान का आकलन करने के लिए तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम को लेकर पहुंचा। कुछ समय पहले उसने तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट से उड़ान भरीद्ध जबकि टीम को यहीं छोड़ दिया। हवाई अड्डा सूत्रों ने बताया कि लड़ाकू विमान को एमआरओ में ले जाया गया है। ब्रिटिश उच्चायोग ने भारतीय अधिकारियों और हवाई अड्डा टीम को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन भारतीय अधिकारियों और हवाईअड्डा टीम के निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए बहुत आभारी है।

पुणे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कुल्हाड़ी से हमला, आरोपी गिरफ्तार

-कांग्रेस ने जताया विरोध, शहर में आक्रोश का माहौल

पुणे (एजेंसी)। पुणे शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के सामने स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर रविवार मध्य रात्रि एक व्यक्ति द्वारा कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार से हमला किए जाने की घटना से हड़कंप मच गया। आरोपी की पहचान सूरज शुक्ला, निवासी वाराणसी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है, जो पिछले डेढ़ महीने से पुणे में रह रहा था और रुद्राक्ष की माला बेचकर जीविकोपार्जन कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, घटना के समय आरोपी के हाथ में एक कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज थी, जिससे उसने प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सूरज शुक्ला अचानक प्रतिमा वाले चबूतरे पर चढ़ गया और उसे क्षतिग्रस्त करने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले पर पुणे पुलिस उपायुक्त (जोन-2) मिलिंद मोहिते का कहना था कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आरोपी की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं है। हालांकि, उसने जानबूझकर प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। पुलिस अब आरोपी की मानसिक स्थिति की जांच के लिए मेडिकल परीक्षण कराने की प्रक्रिया में है।

पुलिस ने सूरज शुक्ला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कुल्हाड़ी जब्त कर ली गई है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, शहर में सामाजिक संगठनों और गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोगों में रोष है और उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किए गए हमले की कांग्रेस पार्टी ने कड़ी निंदा की है। पुणे कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा कि यह हमला राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सम्मान और मूल्यों पर सीधा हमला है।

भारी बारिश के अलर्ट के चलते कई राज्यों में स्कूल-कॉलेज की छुट्टी घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को भारी बारिश से मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र के कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पहले कंफ्यूजन था कि मोहर्रम की छुट्टी 7 जुलाई को मिलेगी या नहीं। भारतीय मौसम विभाग ने 6 से 12 जुलाई तक कई राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी है।

दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, यूपी, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। तापमान में गिरावट के साथ ही कुछ घंटों की बारिश ने जलभराव की समस्या बढ़ा दी है। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल पहुंच पाना एक बड़ी समस्या है। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश के चलते स्कूल खुले। कुछ इलाकों में मुहर्रम के चलते आज भी छुट्टी घोषित कर दी गई थी।

कर्नाटक के कोडागु (कूर्ग) जिले में तेज बारिश के कारण सोमवार को सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। कर्नाटक के अन्य क्षेत्रों में विशेष रूप

से दक्षिण कर्नाटक में 6 और 9-12 जुलाई के बीच भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन ने स्कूल बंद करने का फैसला लिया है। वहीं छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में भारी बारिश के चलते सोमवार को स्कूल बंद किए गए हैं। आईएमडी ने 6-7 जुलाई को छत्तीसगढ़ में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है, जिसके कारण अन्य जिलों में भी स्कूल बंद हो सकते हैं। पूर्वी राजस्थान के जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर 7-9 जुलाई को अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई है। सवाई माधोपुर, करौली, भरतपुर और दौसा जैसे कुछ जिलों में पहले भी बारिश के कारण स्कूल बंद किए गए हैं। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा में 6-12 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से बाढ़, लैंडस्लाइड और बादल फटने की स्थिति बनी हुई है। कई जिलों में पिछले कुछ दिनों से स्कूल बंद हैं।

सोमवार को महाराष्ट्र में बारिश के कारण स्कूल बंद करने का आदेश दिया गया है। आईएमडी ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों, विशेष रूप से मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और विदर्भ क्षेत्रों में 6-12 जुलाई तक बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। महाराष्ट्र के पालघर में भारी बारिश के चलते स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे। पालघर की जिला कलेक्टर ने आपदा प्रबंधन के तहत सोमवार को जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग सेंटर्स और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित की है।

बता दें स्कूलों को बंद करने का फैसला स्टूडेंट्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। भारी बारिश के कारण पानी भरने, लैंडस्लाइड और ट्रैफिक बाधित होने की आशंका रहती है। शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को स्कूलों में उपस्थित रहने के लिए कहा है। इससे आपदा प्रबंधन में सहायता प्रदान की जा सके। रहवासियों को सतर्क रहने, बहते पानी से दूर रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। मौसम की स्थिति के आधार पर 8 जुलाई को भी स्कूल बंद किए जा सकते हैं।

संदेशखाली हिंसा: शाहजहां शेख ही निकला मास्टरमाइंड, सीबीआई ने दर्ज किया केस

कोलकाता (एजेंसी)। लगभग 6 साल पहले पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हुई हिंसा के मामले की जांच सीबीआई कर रही है। जांच एजेंसी ने टीएमसी के बाहुबली नेता शाहजहां शेख समेत 25 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। कोलकाता हाईकोर्ट के निर्देश पर यह मामला सीबीआई को सौंपा गया था। कोर्ट ने राज्य पुलिस पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाया था। जांच ऐजेंसी के दर्ज एफआईआर में हत्या, अपहरण, दंगा फैलाने और सबूत मिटाने जैसी धाराएं शामिल की गई हैं।

कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को जांच सौंपी। उन्होंने मामले की अत्यंत गंभीरता से जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि जांच की निगरानी एक संयुक्त निदेशक द्वारा की जानी चाहिए। जस्टिस सेनगुप्ता ने जांच सीबीआई को सौंपते हुए कहा, मौजूदा मामले में भी, जिसमें और भी गंभीर आरोप हैं। मुझे लगता है कि पुलिस अलग-अलग चरणों में मुख्य आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही, जिससे

न्याय की घोर विफलता हुई। इसलिए, जांच की बागडोर फिर से उन्हें सौंपना न्याय के हित में नहीं होगा।

देवदास मंडल समेत भाजपा 3 कार्यकर्ताओं प्रदीप मंडल और सुकांत मंडल का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस ने शाहजहां शेख का नाम पहले आरोपियों की सूची से हटा दिया था, जिस पर अदालत ने सख्त नाराजगी जताई थी। हाईकोर्ट ने इसे न्याय के साथ खिलवाड़ बताते हुए सीबीआई को जांच सौंपने का आदेश दिया। अब सीबीआई ने शाहजहां शेख को मुख्य आरोपी मानते हुए मामले की तह तक जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदीप मंडल, देवदास मंडल और सुकांत मंडल संदेशखली में अपने गांव पर कथित हमले के बाद मृत पाए गए थे। कथित तौर पर इस भीड़ का नेतृत्व शेख ने किया था। शुरुआत में पश्चिम बंगाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी, लेकिन बाद में पीड़ितों के परिवार ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

राज ठाकरे को पुनर्मिलन बनाए रखना है तो बीजेपी-शिंदे से बनानी होगी दूरी

-शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मनसे प्रमुख को दी चेतावनी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद और संजय राउत ने अपने साप्ताहिक कॉलम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे को सीधे तौर पर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि राज अगर उद्धव ठाकरे के साथ राजनीतिक पुनर्मिलन को बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें पूरी ईमानदारी से बीजेपी और एकनाथ शिंदे से दूरी बनानी होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक संजय राउत का लेख दरअसल एक 'वॉर्निंग नोट' है जो यह याद दिलाता है कि बीजेपी और शिंदे से नजदीकियों का अब तक मनसे को कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिला, बल्कि उनकी पार्टी की स्थिति आज रसातल में है।

राउत ने लिखा- उद्धव और राज ठाकरे की राजनीतिक राहें अलग हो गई थीं और वे जैसे दो धार बन चुके थे। अमित शाह के कारण हुई फूट के बाद शिवसेना महाविकास आघाड़ी का

हिस्सा बनी, वहीं राज ठाकरे ने बीजेपी और शिंदे गुट से 'प्रेम की चाय' पी। उन्होंने दिल्ली जाकर अमित शाह से भी मुलाकात की थी, लेकिन इससे न महाराष्ट्र को कुछ मिला और न ही उनकी पार्टी मनसे की राजनीति आगे बढ़ी।

राउत ने आरोप लगाया कि दिल्ली और वहां के 'व्यापारी-राजनेताओं' को ठाकरे बंधुओं के बीच फूट से फायदा होता है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी और उसके सहयोगी चुनाव जीतने के लिए मतदाता सूची में लाखों प्रवासियों के नाम जोड़ रहे हैं और इससे मनसे को भी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने लिखा- महाराष्ट्र के हित में यही है कि मराठी वोट प्रतिशत बढ़े और इसके आधार पर नगर निगम, जिला परिषद और विधानसभा चुनावों में एकजुट चुनौती पेश की जाए तभी मराठी व्यक्ति स्वाभिमान से जी सकेगा अन्यथा सिर्फ ढोल पिटेंगे, नारे लगेंगे और बिगुल बजेगा। यह जोश बना रहना चाहिए! मराठी एकता की जय हो! अभी बस दहाड़ते रहो। वहीं तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ठाकरे बंधुओं की रैली को समर्थन दिए जाने के बाद राउत ने साफ कहा कि उनकी पार्टी हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी प्राथमिक शिक्षा में थोपे जाने के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य लंबे समय से हिंदी के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। वे हिंदी नहीं बोलते, हमारा रुख अलग है। हमने न तो हिंदी बोलने से मना किया है, न हिंदी फिल्मों या अखबारों पर कोई रोक है।

भारत का पाकिस्तान नहीं असली दुश्मन चीन, 10 अलग-अलग मोर्चों पर दे रहा चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जगजाहिर है, लेकिन भारत का असली दुश्मन चीन है, जो लगातार 10 अलग-अलग मोर्चों पर भारत को चुनौती दे रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डिप्टी आर्मी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया कि पाकिस्तान सिर्फ एक मोहरा है, जबकि असली खेल चीन खेल रहा है। जनरल सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि चीन ने सहायता नहीं की होती तब पाकिस्तान भारत के सामने एक दिन भी नहीं टिक पाता। लेकिन चीन पाकिस्तान को मदद कर रहा हैं,जबकि भारत को लगातार परेशान कर रहा है।

अब भारतीय सेना ने चीनी मूल के कलपुर्जों के इस्तेमाल पर कड़ा रुख अपनाया है। आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो के एडीजी मेजर जनरल सीएस मान ने साफ किया कि भविष्य में किसी भी सैन्य प्रणाली, खासकर ड्रोन सिस्टम में चीनी पुर्जों का इस्तेमाल नहीं होगा। यह कदम भारत की आंतरिक सुरक्षा में चीन की दखलअंदाजी को खत्म करने की दिशा में उठाया गया है।

वहीं चीन केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक मोर्चों पर भी भारत को घेरने में लगा हुआ है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद चीन ने ढाका में अपना प्रभाव बढ़ाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूनुस ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास एक पुराने एयरबेस को चीन को सौंपने की मंशा जाहिर की है, इससे भारत की पूर्वी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इस लेकर सरकार को सेना पूरी तरह से सतर्क हो गए है। 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा पर, खासकर लद्दाख, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में, अक्सर चीन के साथ तनाव देखा जाता है। चीन न केवल सैन्य तनाव पैदा करता है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध निर्माण कर भारत की सुरक्षा को चुनौती दे रहा है। नेपाल और भूटान जैसे भारत के मित्र देशों की सीमाओं पर भी ड्रैगन की बुरी नजर है। चीन हमेशा भारत के पड़ोसी मुल्कों को धमकाता रहता है।

हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में भी चीन अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन का जहाज शियांग यांग होंग 03 भारत के समुद्री परीक्षण क्षेत्रों के आसपास मंडरा रहा था। इसके अलावा, दक्षिण चीन सागर में सैन्य निर्माण कर चीन क्षेत्रीय वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, जिससे भारत के रणनीतिक हित प्रभावित हो सकते हैं।

इतना ही नहीं भारत और चीन के बीच बढ़ता व्यापार घाटा भी चिंता का विषय है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह घाटा 99 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत में चीनी उत्पादों की घटिया गुणवत्ता और उससे एमएसएमई को हो रहे नुकसान पर भी गंभीर चिंता जाहिर की गई है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सस्ते चीनी सामान से देश की साइबर और डेटा सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है।

भारत की इंग्लैंड पर दूसरे टेस्ट में शानदार जीत के दौरान बने 7 अविश्वसनीय रिकॉर्ड्स

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट में भारत ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर की। भारत ने एजबेस्टन टेस्ट की पहली इनिंग में गिल के दोहरे शतक (269) की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद सिराज के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 407 पर ढेर कर 180 रन की बढ़त बनाई।

दूसरी इनिंग में गिल (161) ने एक बार फिर बड़ी पारी जिससे टीम ने 427/6 का स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड के सामने 608 रन का लक्ष्य रखा। एक बार फिर गेंदबाजों ने शुरू से ही दबाव की रणनीति अपनाई और इस बार आकाश दीप के 6 विकेटों की बदौलत इंग्लैंड को 271 रन पर ढेर कर 336 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में एक-दो नहीं, बल्कि 7 अविश्वसनीय रिकॉर्ड्स बने हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में -

1. युवा भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल महज 23 साल और 188 दिन की उम्र में 2000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। सचिन तेंदुलकर (20 साल, 330 दिन) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बन गए हैं। अब वह भारत के लिए 2000 रन बनाने वाले सबसे युवा ओपनर हैं और विश्व में ऐसा करने वाले दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (23 साल, 58 दिन) के बाद दूसरे सबसे युवा ओपनर हैं।

2. ऋषभ पंत घर से बाहर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 24 छक्के लगाए हैं।

3. इंग्लैंड ने दो 150+ स्कोर के साथ सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड बनाया है। एजबेस्टन में तीसरे दिन इंग्लैंड ने 407 रन बनाए जिसमें जेमी स्मिथ के 184* और हैरी ब्रूक के 158 रन थे। हालांकि इस दौरान इंग्लैंड ने पहली पारी में 6 डक भी हुए जो 407 के सबसे कम ऑल-आउट स्कोर का प्रमाण बना।

4. इंग्लैंड के कप्तान ने बेन स्टोक्स बल्ले से अब तक दमदार श्रृंखला खेली है और पहली पारी में गोल्डन डक पर आउट हुए। यह क्रीज पर अपने 201 टेस्ट मैचों में पहली बार हुआ। केवल राहुल द्रविड़ (286) और डेविड गॉवर (204) ही अपने पहले गोल्डन डक से पहले लंबे समय तक रन बना पाए थे। स्टोक्स पहली पारी में मोहम्मद सिराज की पहली गेंद पर पंत के हाथों कैच आउट हुए थे।

5. भारत के 1849 रन किसी भी टीम द्वारा सीरीज के पहले दो टेस्ट में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत की तिकड़ी शानदार फॉर्म में है और इसी का परिणाम यह रिकॉर्ड है।

6. भारत ने बर्मिंघम में 1014 रन के साथ एक टेस्ट मैच में अपना सर्वोच्च टीम स्कोर बनाया है। आश्चर्यजनक रूप से भारतीय कप्तान गिल ने रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली जिसमें उन्होंने अपने देश के लिए 1014 रनों में से 430 रन बनाए, जिससे एजबेस्टन की

भीड़ प्रशंसा में ताली बजाने पर मजबूर हो गई।

7. शोएब बशीर ने टेस्ट में किसी अंग्रेज गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक 286 रन दिए हैं। बशीर के लिए यह एक और कठिन टेस्ट रहा जिसमें ऑफ स्पिनर ने 5/286 के मैच के आंकड़ों के साथ भारत की स्टार पावर को रोकने के लिए संघर्ष किया। उनके महंगे आंकड़े टेस्ट मैच में किसी अंग्रेज गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे अधिक रनों से केवल चार रन कम थे।

पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र के साथ नई शुरूआत करेंगे, 2025-26 सत्र से पहले टीम से जुड़े

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज और मुंबई के पूर्व खिलाड़ी पृथ्वी शॉ आगामी घरेलू सत्र के लिए सोमवार को महाराष्ट्र की टीम के साथ जुड़ गए। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने इसकी घोषणा की। शॉ ने किसी और राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए पिछले महीने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (हृह्रष्ट) की मांग की थी, जिस पर उसकी संचालन समिति ने मुहर लगा दी थी।

शॉ को खराब फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण मुंबई की लाल गेंद टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने मुंबई के लिए अपना पिछला मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आधिकारिक तौर पर मुंबई क्रिकेट संघ से अलग हो गए हैं और वह आगामी घरेलू सत्र में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'इस रणनीतिक बदलाव को भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में देखा जा रहा है, जिससे महाराष्ट्र की टीम और मजबूत होगी। शॉ ने टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और मैच जीतने की क्षमता से इंडियन प्रीमियर लीग और घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावित किया है।'

शॉ ने कहा कि यह कदम उन्हें क्रिकेटर के तौर पर आगे बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि करियर के इस पड़ाव पर महाराष्ट्र की टीम से जुड़ने से मुझे क्रिकेटर के तौर पर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। मैं पिछले कुछ वर्षों में मुंबई क्रिकेट संघ की तरफ से मिले मौके और समर्थन के लिए आभारी रहूंगा।'

महाराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहित पवार ने कहा, 'उनके शामिल होने से रुतुराज गायकवाड़, अंकित बावने, राहुल त्रिपाठी, मुकेश चौधरी और रजनीश गुरबानी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों वाली पहले से ही प्रतिभाशाली टीम की मजबूती और बढ़ेगी। शॉ का अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल अनुभव खासकर टीम में युवा खिलाड़ियों को सलाह देने के लिए अमूल्य होगा।'

सचिन ने नये कप्तान शुभमन को पहली जीत पर बधाई दी

–आकाशदीप की विशेष रुप से सराहना की

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल को उनकी पहली जीत के लिए बधाई दी है। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 336 रनों की रिकार्ड जीत दर्ज की है। सचिन ने इस मैच में 10 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह की भी जमकर प्रशंसा की है। वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक और दूसरी पारी में शतक लगाया था। सचिन ने इस मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभमन के अलावा अक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, केएल राहुल और ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को भी सराहा। इसके अलावा मोहम्मद सिराज को शानदार कैच के लिए विशेष बधाई दी। सिराज ने मेजबान बल्लेबाज जोश टंग का बेहद कठिन कैच लिया था। उन्होंने लिखा,÷ शुभमन भारतीय टीम को शानदार टेस्ट जीत दिलाने के लिए बधाई हो। उन्होंने इसके साथ ही ऋषभ पंत, राहुल, और जडेजा की भी तारीफ की। ÷तेंदुलकर ने साथ ही कहा,÷ गेंदबाजों ने जिस तरीके से सटीक गेंदबाजी की, वह मुझे सबसे अच्छी लगी। आकाश दीप ने अपने प्रदर्शन से जीत जीत लिया। मेरे अनुसार उन्होंने जो रूट को सीरीज की अब तक की सबसे अच्छी गेंद की थी। इस मैच में सिराज ने वह कमाल सिराज ने पहली पारी में छह विकेट लिए जबकि आकाश दीप ने पहली पारी में चार जबकि दूसरी पारी में छह विकेट लिए।

डीपीएल नीलामी में दिग्वेश राठी पर लगी भारी भरकम बोली, आईपीएल 2025 से ज्यादा मिलेंगे पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क ¬मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी को दिल्ली प्रीमियर लीग में भारी भरकम कीमत पर खरीदा गया है। हैरानी की बात यह है कि उन्हें DPL में इंडियन प्रीमिर लीग 2025 से ज्यादा पैसे मिलेंगे। दिग्वेश को IPL में 30 लाख रुपए में खरीदा गया था जबकि DPL में उन पर 38 लाख रुपए की बोली लगी जिससे जोकि दूसरी सबसे ऊंची बोली थी।

दिग्वेश ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा है। उन्हें खरीदने का मुख्य कारण IPL में उनकी सफलता है। IPL 2025 में लखनऊ सुपर जाइंट्स (LSG) के लिए खेलते हुए दिग्वेश ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 14 विकेट अपने नाम किए

और यही नीलामी में उनकी भारी भरकम बोली की एक बड़ी वजह रही। दिग्वेश ने IPL 2025 में 13 मैचों में 52 ओवर डाले। इस दौरान उन्होंने 429 रन लुटाते हुए 30/2 के साथ 8.25 की इकोनॉमी से 14 विकेट चटकाए।

राठी DPL 2024 में भी खेल चुके हैं। उन्होंने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते 10 मैचों में 7.82 की इकॉनमी रेट और 21.71 की गेंदबाजी औसत के साथ 14 विकेट लिए जो टूर्नामेंट में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले और स्पिनरों में दूसरे स्थान पर रहे। विशेष रूप से उन्होंने एक उच्च स्कोरिंग मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को नियंत्रण में रखा, जिसमें अतिरिक्त उछाल निकालने और रन फ्लो को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता का पता चलता है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह DPL 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज को 39 लाख रुपए में साइन किया। ऋषभ पंत को पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। इसके अलावा भारत के धमाकेदार ओपनर बल्लेबाज और पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा।

अगले माह खेला जाएगा सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट

नई दिल्ली । सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट अगले माह 5 से 16 अगस्त तक अमेरिका में खेला जाएगा। इसमें दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही भारत के हरभजन सिंह और कुछ अन्य क्रिकेटर भी शामिल होंगे। इस टूर्नोमेंट में हरभजन के अलावा शिखर धवन व रॉबिन उथप्पा भी खेलेंगे। इन सभी पूर्व क्रिकेटरों ने कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अवसर मिलने से वह उत्साहित हैं। हरभजन ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक अनूठा और विशिष्ट प्रारूप है जो खेल में नयापन लाने का वादा करता है। अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाएगा। लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वहींधवन ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में शामिल होना बढ़ते क्रिकेट समुदाय में प्रशंसकों से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। अंतरराष्ट्रीय सितारों और एक नए आकर्षक प्रारूप के साथ इस आयोजन से अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा में लाने की राह बनेगी।

अब केरल क्रिकेट लीग में खेलते नजर आयेंगे सैमसन

तिरुवनंतपुरम । भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) के दूसरे सत्र में खेलते हुए नजर आयेंगे। सैमसन को कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने उन्हें 26.60 लाख रुपये में शामिल किया है। इससे सैमसन अब इस लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। तीन लाख आधार मूल्य वाले सैमसन को कोच्चि ने सबसे अधिक रकम देकर जोड़ा है। कोच्चि ब्लू टाइगर्स के पास कुल 50 लाख की राशि थी जिसमें उसे उसने आधी सैमसन पर ही लगा दी। पिछले साल सैमसन को केरल क्रिकेट लीग का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया था पर अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में व्यस्त रहने के कारण ही वह इस सत्र में कोई मैच नहीं खेल पाये थे। वहीं विष्णु विनोद को एरीज कोल्लम ने विष्णु विनोद को 13.8 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर जलज सक्सेना को एलेप्पी रिपल्स ने 12.4 लाख रुपये में खरीदा। सैमसन ने अंतिम बार आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेला था। 18वें सत्र में फिटनेस कारणों से वह कई मुकाबले में नहीं खेल पाये थे। ऐसे में रियान पराग को राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी दी गयी थी।

भारतीय टीम हर क्षेत्र में बेहतर रही, आकाशदीप ने अंतर पैदा किया : स्टोक्स

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने माना है कि भारतीय टीम हर क्षेत्र में उनसे बेहतर रही और इसी कारण उसे बड़ी जीत मिली है। स्टोक्स ने कहा कि तेज गेंदबाज आकाशदीप ने अपने आसाधारण प्रदर्शन से मैच में अंतर पैदा किया। आकाशदीप ने इस मैच में कुल 10 विकेट लेकर मेजबान टीम की कमर तोड़ दी। पांच मैच की सीरीज अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

स्टोक्स ने कहा, ''मुझे लगता है कि आकाशदीप ने पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की

उसकी क्षमता अद्भुत है और इसके बाद भी वह सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था।'' उन्होंने कहा, ''जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी। आकाश ने जिस तरह से क्रीज पर कोण बदलते हुए गेंदबाजी की। उससे पता चलता है कि वह विश्व स्तरीय कौशल वाला गेंदबाज है।''

साथ ही कहा कि उनी टीम ड्रॉ में विश्वास नहीं करती पर माना कि इस मैच में लक्ष्य असंभव था। उन्होंने कहा, ''300 या इससे अधिक रन से हारना वास्तव में बहुत बड़ा अंतर है। जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो हमें पता था कि हमारे सामने क्या चुनौती है। वहीं पहले तीन विकेट और आज सुबह दो क्रिकेट जल्दी खोने से सब कुछ बदल गया।''

अब फिल्मों में नजर आयेंगे रैना

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के अनुभवी खिलाड़ी सुरेश रैना अब फिल्मों में डेब्यू करने जा रहे हैं। खेल के मैदान पर अपनी चमक बिखेरने के बाद अब रैना अब तमिल फिल्म में नजर आयेंगे। रैना तमिल फिल्म इंडस्ट्री में ड्रीम नाइट स्टोरीज के बैनर तले बनने वाली एक फिल्म से सिल्वर स्क्रीन पर दिखेंगे। अनुमान है कि ये फिल्म क्रिकेट को लेकर है। इसको लेकर आये एक वीडियो में रैना को क्रिकेट स्टेडियम में प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है, जहां प्रशंसक उनका जोश के साथ स्वागत कर रहे हैं। टीजर को शेयर करते हुए प्रोडक्शन टीम ने लिखा, चिन्ना थाला सुरेश रैना का स्वागत है।卐 गौरतलब है कि रैना को उनके प्रशंसक प्यार से 'चिन्ना थाला' कहते हैं, और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उनके योगदान की वजह से तमिलनाडु में उनकी जबरदस्त मांग है। इस फिल्क का टाइटल अभी तक सामने नहीं आया है पर टीजर को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये फिल्म क्रिकेट पर आधारित हो सकती है। फिल्म का निर्देशन लोगन कर रहे हैं और इसे श्रवण कुमार डीकेएस बैनर के तहत प्रोड्यूस कर रहे हैं। रैना के फिल्म में आने की जानकारी से प्रशंसक बेहद खुश हैं। सोशल मीडिया पर लोग रैना को कॉलीवुड में वेलकम कर रहे हैं।

विराट ने भारतीय टीम की जीत का श्रेय शुभमन, सिराज और आकाशदीप को दिया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली 336 रनों की रिकार्ड जीत पर खुशी जताते हुए इसका श्रेय शुभमन गिल के अलावा मोहम्मद सिराज और आकाशदीप सिंह को दिया है। कोहली ने सोशल मीडिया में लिखा, 卐एजबेस्टन में भारत की शानदार जीत। निडरता से खेले और इंग्लैंड पर लगातार दबाव बनाये रखा। शुभमन ने बल्ले और फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया और सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सिराज और आकाश ने इस पिच पर जिस तरह की गेंदबाजी की, उसके लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं।卐 वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर इंग्लैंड को कोई अवसर नहीं दिया। शुभमन इसी के साथ ही एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। वहीं सिराज ने पहली पारी में 6 विकेट लिए। आकाशदीप पहली पारी में 5 विकेट हॉल से एक कदम विकेट से ही दूर थे पर उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कमी पूरी कर दी। आकाशदीप को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने शुभमन के दोहरे से 587 रन बोर्ड पर लगाए थे, जिसके बाद मेजबान टीम इंग्लैंड 407 रन ही बना पायी जिससे भारतीय टीम को अच्छी खासी बढ़त मिल गयी थी। जिसका लाभ उठाकर उसने दूसरी पारी में 427 रन बनाकर मेजबान टीम को 608 रनों को बेहद कठिन लक्ष्य दिया था।

खेल नीति में बदलाव से भारतीय फुटबॉल को मिलेंगी नई प्रतिभाएं : एआईएफएफ प्रमुख

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल संध (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे ने विदेशों मे रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने की अनुमति दिये जाने को एक सही कदम बताया है। चौबे ने कहा कि इससे भारतीय फुटबॉल टीम को लाभ होगा और उसे अच्छी प्रतिभाएं मिलेंगी। उन्होंने इसकी राह में आने वाली बाधाओं को भी दूर किये जाने की जरुरत बतायी है। गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय खेल नीति को एक जुलाई को कैबिनेट की मंजूरी मिल गयी थी। इसके अब विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों के पास देश से खेलने का अवसर हैं। वहीं अब तक केवल भारतीय पासपोर्ट रखने वाले खिलाड़ी ही देश का प्रतिनिधित्व कर सकते थे। चौबे ने कहा, ''जब राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन की बात आती है तो खेल नीति में प्रवासी प्रतिभाओं तक अब हमारी पहुंच बनेगी। मुझे खुशी है कि नीति में इसका संदर्भ शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''यह सकारात्मक बयान है। एआईएफएफ फीफा और सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखेगा।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को टीम से जोड़ने की मांग उठी है। साथ ही कहा कि मलेशिया, हांगकांग, सहित कई देशों ने अपनी टीमों में दोहरी नागरिकता वाले खिलाड़ियों को शामिल किया है।'' वहीं साल 2008 में प्रवासियों को देश का प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया गया था जिससे देश को मिलने वाली कई प्रतिभाएं उससे जुड़ नहीं पायीं। खेलो भारत नीति में कहा गया है कि खेल भारतीय प्रवासियों और देश के बीच संबंध बेहतर बनाने का जरिया बन सकता है।

44 साल के हुए धोनी : 'थाला' के शानदार करियर, उपलब्धियों और रिकॉर्ड्स पर डालें नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'थाला', कैप्टन कूल नाम से जाने जाते महान विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सोमवार को 44 साल के हो गए है। हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेमर में शामिल होने धोनी अपने शांत स्वभाव और अपनी सामरिक उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, ने 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण से लेकर अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपने करियर के इन आखिरी कुछ वर्षों के दौरान अपनी अलग छाप छोड़ी है।

भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 आउट और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैचों के साथ धोनी न केवल दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि एक क्रांतिकारी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट के अलावा, वे पहले विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक थे जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि विकेटकीपर वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे समय में जब विकेटकीपर से कैचिंग और स्टंपिंग की न्यूनतम आवश्यकता होती थी, धोनी ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी दिग्गज की निरंतरता और भूख के साथ रन बनाते हुए सीमा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ एक मजबूत मध्य-क्रम बनाया।

वनडे क्रिकेट

धोनी का सबसे मजबूत प्रारूप वनडे है। उन्होंने 350 वनडे में 50.57 की औसत से 10,773 रन बनाए। उन्होंने भारत के लिए 10 शतक और 73 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183* रहा। वे वनडे में भारत के छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं (सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ शीर्ष पर हैं)। तथ्य यह है कि वे निचले क्रम में आते हुए 50 से ज़्यादा की औसत से 10,000 से ज़्यादा रन बनाने में सफल रहे जिससे उनके आंकड़े और भी आश्चर्यजनक हो जाते हैं। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया जिसमें 110 जीते और 74 हारे, पांच मैच बराबर रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 है। धोनी ने कप्तान के तौर पर भारत के लिए ICC क्रिकेट विश्व कप 2011 और ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीती है।

टी20 क्रिकेट

चेन्नई सुपर किंग्स के 'थाला' (नेता) के रूप में मशहूर धोनी ने भारत के लिए 98 टी20आई खेले जिसमें उन्होंने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने इस प्रारूप में दो अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रहा है। वे भारत की आईसीसी टी20 विश्व विजेता 2007 विजेता टीम के विजयी कप्तान थे। 'माही' ने 72 टी20आई में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें 41 जीते, 28 हारे, एक टाई रहा और दो असफल रहे। उनकी जीत का प्रतिशत 56.94 है।

टेस्ट क्रिकेट

क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप टेस्ट के करियर की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं।

टेस्ट रैंकिंग में भारत को बनाया नंबर 1

धोनी ने टीम इंडिया को ICC टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाया। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को वाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं, उन्होंने ऐसा 2010-11 और 2012-13 सीरीज में किया था। धोनी फ्रैंचाइजी क्रिकेट में भी उतने ही प्रतिष्ठित हैं, जो आईपीएल इतिहास में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 278 मैचों में 38.30 की औसत से 5,439 रन बनाए हैं जिसमें 24 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका स्ट्राइक रेट 137 से अधिक है।

5 आईपीएल और दो चैंपियंस लीग टी20 खिताब

उन्होंने ष्टस्य के साथ 5 आईपीएल खिताब

और दो चैंपियंस लीग टी20 खिताब हासिल किए हैं जिससे यह फ्रैंचाइज़ी खेल की दुनिया में सबसे लोकप्रिय संस्थाओं में से एक बन गई है, जो काफी हद तक उनके अपने ब्रांड और नाम के आधार पर है। जब बल्लेबाजी के दिग्गज बल्लेबाजी के संभावित मौके के लिए तैयार होकर अपने ड्रेसिंग रूम के अंदर भी दिखाई देते हैं, तो भीड़ उनका अनुसरण करती है और विभिन्न फैन क्लब एक साथ 'धोनी' 'धोनी' का नारा लगाते हैं। जब धोनी 2004 में राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए तो किसी ने भी कल्पना नहीं की थी कि 23 वर्षीय यह खिलाड़ी विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में किन ऊंचाइयों को हासिल करेगा।

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला ने बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर से की सगाई

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने आज फैंस के साथ एक खुशखबरी शेयर की है। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ सगाई की है। अंशुला ने खूबसूरत फोटोज शेयर करते हुए रोहन और अपनी लव स्टोरी भी फैंस के साथ शेयर की है। उन्होंने बताया कि दोनों की मुलाकात एक एप के जरिए हुई। कपल ने न्यूयॉर्क में सगाई की है। अंशुला ने इंस्टाग्राम अकाउंट से सगाई की फोटोज शेयर की हैं। इनमें वे और रोहन मंगनी की अंगूठियां फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं। रोहन ने घुटनों के बल बैठकर फिल्मी स्टाइल में अंशुला को रिंग पहनाई और इसके बाद दोनों एक-दूजे को चूमते दिखे। अंशुला ने तस्वीरों के साथ अपनी और रोहन की लव स्टोरी शेयर की है।

कैसे हुई पहली मुलाकात और बात

अंशुला ने लिखा है, हमारी मुलाकात एक एप पर हुई थी। मंगलवार को 1.15 बजे अचानक बात करना शुरू किया। हम उस सुबह 6 बजे तक बातें करते रहे और किसी तरह, तब भी, ऐसा लगा कि किसी ऐसी चीज की शुरुआत हो रही है, जो मायने रखती है। तीन साल बाद, मेरे पसंदीदा शहर में, सेंट्रल पार्क में महल के सामने उसने मुझे प्रपोज किया! ठीक 1.15 बजे भारती समय पर। किसी तरह दुनिया ने उस पल को जादू जैसा महसूस करने के लिए बस इतना समय रोका।

2022 से रिलेशनशिप में अंशुला-रोहन

अंशुला ने आगे लिखा है, रोहन का प्यार बस एक शांत तरह का प्यार, जो घर जैसा लगता है। मैं कभी भी परियों की कहानियों में विश्वास करने वाली लड़की नहीं रही... लेकिन रोहन ने मुझे उस दिन, जो दिया वह बेहतर था, क्योंकि यह जानबूझकर किया गया था। सोच-समझकर। उसने प्रपोज किया और मैंने हां कह दिया। आंसू, कांपती हंसी और उस तरह की खुशी के साथ, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती, क्योंकि 2022 से, यह हमेशा तुम ही हो।

अंशुला ने आगे लिखा है, मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त से सगाई कर रही हूं! मेरा सबसे सुरक्षित ठिकाना। मेरा अपना। मेरा पसंदीदा शख्स, पसंदीदा शहर और अब, मेरा पसंदीदा हां! अंशुला ने आगे लिखा है, हमारी पहली मुलाकात बर्गर के प्यार के ईर्द-गिर्द थी, इसलिए सगाई के बाद पहला मील। अंशुला को फैंस बधाईयां दे रहे हैं।

वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में दोनों स्टार्स की लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट्स के बाद डेटिंग की खबरें और भी तेज हो गई हैं। हालांकि, इस मामले में तारा और वीर की तरफ से अब तक कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। वीर पहाड़िया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह इटली के एक यॉट पर पोज देते हुए नजर आ रहे थे। उनके पीछे एक बड़ा सा पहाड़ दिखाई दे रहा था। इसके कुछ ही देर बाद तारा सुतारिया ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें पहाड़ और समुद्र का खूबसूरत नज़ारा दिखाई दे रहा था। इन दोनों पोस्ट्स के सामने आने के बाद फैंस कयास लगाने लगे कि तारा और वीर साथ में वेकेशन पर गए हैं।

बता दें, इससे पहले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया ने लैक्मे फैशन वीक के दौरान एक साथ रैंप वॉक किया था। इसके बाद दोनों को एक पॉश रेस्टोरेंट में डिनर करते हुए स्पॉट किया गय। यहीं से दोनों के डेटिंग रूमर्स की शुरुआत हो गई।

बादशाह के साथ भी जुड़ चुका है तारा का नाम

बता दें, रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' के सेट से बादशाह और तारा सुतारिया के बीच डेटिंग की खबरें शुरू हुईं। जब शिल्पा शेट्टी ने मजाकिया अंदाज में तारा सुतारिया का नाम लेकर बादशाह को चिढ़ाया था। इस पर रैपर शर्मा गए, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर कयास लगाए जाने लगे कि तारा और बादशाह एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

2023 में हुआ था तारा और आदर का ब्रेकअप

बता दें, तारा सुतारिया ने पहले एक्टर आदर जैन को डेट किया था। दोनों चार साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। हालांकि, साल 2023 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद आदार ने अलेखा आडवाणी के साथ शादी कर ली थी, जो पहले तारा की बेस्ट फ्रेंड थीं।

सारा अली खान को भी डेट कर चुके हैं वीर

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के नाती वीर पहरिया सारा अली खान को डेट कर चुके हैं। 2018 में एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में सारा अली खान ने इस रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। सारा ने इंटरव्यू में कहा था, वह (वीर) इकलौता लड़का है, जिसे मैंने डेट किया है। उनके अलावा मेरी जिंदगी में कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं रहा।

मैं इंडिया और हिंदी फिल्मों को बहुत मिस करती हूं

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' और अब हॉलीवुड की सुपरस्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा के दिल की बात एक बार फिर खुलकर सामने आई है। भले ही वो हॉलीवुड में लगातार झंडे गाड़ रही हों, लेकिन उनका दिल अब भी भारत और बॉलीवुड के करीब ही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद स्वीकार किया कि उन्हें बॉलीवुड की बहुत याद आती है और इस साल वो भारत में एक नई फिल्म की शूटिंग भी शुरू करेंगी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी हालिया हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन के दौरान जब भारतीय मीडिया से बात की, तो उन्होंने खुलकर अपनी बात कही। प्रियंका ने बातचीत करते हुए कहा, 'मैं हिंदी सिनेमा को बहुत मिस करती हूं और भारत को भी।' इस बयान ने उनके चाहने वालों के दिलों में उम्मीद जगा दी है कि वो जल्द बड़े पर्दे पर एक बार फिर देसी अंदाज में नजर आएंगी।

एस एस राजामौली की फिल्म से होगी वापसी

प्रियंका भारत में जिन प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साहित हैं, उनमें सबसे बड़ा नाम निर्देशक एस.एस. राजामौली की आगामी फिल्म SSMB29 का है। इस मेगा बजट फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे नजर आएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक माइथोलॉजिकल थ्रिलर होगी, जिसकी शूटिंग इस साल की शुरुआत में ओडिशा में शुरू भी हो चुकी है।

जी ले जरा में भी करेंगी धमाल?

इसके अलावा, प्रियंका फरहान अख्तर की मच अवेटेड फिल्म 'जी ले जरा' में भी नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ को भी कास्ट किया गया है। हालांकि फिल्म की शूटिंग डेट्स को लेकर काफी उथल-पुथल चल रही है, लेकिन मेकर्स अब भी इस प्रोजेक्ट को लेकर आशावान हैं।

रामायण करने से किया इनकार

प्रियंका को नितेश तिवारी की भव्य फिल्म रामायण के लिए भी अप्रोच किया गया था। लेकिन खबरों के मुताबिक, उन्होंने इस प्रोजेक्ट को मना कर दिया क्योंकि उनके पास पहले से इंटरनेशनल कमिटमेंट्स हैं। इससे साफ है कि प्रियंका फिलहाल अपने शेड्यूल को संतुलित रखते हुए बॉलीवुड में वापसी की योजना बना रही हैं।

फैंस में जगी उम्मीद

प्रियंका के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है। 'देसी गर्ल' को फिर से भारतीय पर्दे पर देखने की उम्मीदें अब और प्रबल हो गई हैं। बता दें प्रियंका चोपड़ा आज ग्लोबल लेवल पर एक बड़ा नाम बन चुकी हैं, लेकिन उनका दिल आज भी भारत में ही बसता है। उनके बयान से साफ है कि वो अपने रूट्स को नहीं भूलीं और जल्द ही हिंदी सिनेमा में अपनी वापसी से एक बार फिर तहलका मचाने को तैयार हैं।

'मेट्रो इन दिनों' ऑफर होने पर चौंक गई थीं कोंकणा

फिल्में चुनने में बेहद सजग और अपनी अलग सोच के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा जल्द ही अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आ रही हैं। खास बातचीत में कोंकणा ने न सिर्फ इस फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए, बल्कि अपने करियर, सोच और निर्देशन के सफर पर भी बेबाकी से बात की।

जब अनुराग का कॉल आया कि वो मेट्रो इन दिनों बना रहे हैं और मुझे उसमें कास्ट करना चाहते हैं, तो मैं चौंक गई। मुझे नहीं पता था कि वो लाइफ इन अ मेट्रो जैसी किसी फिल्म पर दोबारा काम कर रहे हैं। लेकिन जैसे ही उन्होंने स्क्रिप्ट का जिक्र किया तो दिल से बस एक ही बात निकली- हां। इससे पहले मैंने कभी किसी सीक्वल में काम नहीं किया था और वो भी अनुराग दा के साथ? तो ये मेरे लिए किसी तोहफे से कम नहीं था।

17 साल बाद अनुराग बसु के साथ दोबारा काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अनुराग दा के साथ काम करना किसी पुरानी दोस्ती में फिर से लौट जाने जैसा था। ना वो बदले, ना मैं। हां, हमारे जीवन में जरूर बदलाव आए। अब मेरा बेटा 14 साल का हो गया है। लेकिन हमारी सोच, जुड़ाव और काम का तरीका, सब वैसा ही रहा। उनके साथ काम करना हमेशा बहुत सहज होता है।

पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकार के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करना कैसा रहा?

पंकज त्रिपाठी के साथ ये मेरी पहली फिल्म थी, और कहना होगा- वो जितने अच्छे एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। स्क्रिप्ट में जो ह्यूमर था, उसे वो अपने अंदाज से और भी जिंदा कर देते हैं। उनके साथ काम करते हुए कभी कोई बनावटीपन महसूस नहीं होता। ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने दोस्त से बात हो रही हो। उनके अभिनय में जो गहराई और सच्चाई है, वो काबिले-तारीफ है।

आपने स्क्रीन पर हमेशा गंभीर और गहराई से भरे किरदार निभाए हैं। क्या कभी टाइपकास्ट महसूस किया?

कई बार लोगों ने कहा कि मैं सीरियस किरदार ही ज्यादा करती हूं और शायद करियर की शुरुआत में ही मैं टाइपकास्ट भी हो गई थी। लेकिन बेटे के जन्म के बाद जैसे किरदार मिले, वो ज्यादा अधूरे और असली थे। अब मैं ऐसी महिलाओं का रोल करना पसंद करती हूं जो गलतियां करती हैं और कमजोर हैं क्योंकि वो असली हैं।

आपने फिल्में भी डायरेक्ट की हैं। एक महिला डायरेक्टर के तौर पर कैसी चुनौतियों का सामना किया?

डायरेक्शन की बात करूं तो, मुझे कभी किसी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा। शायद इसलिए क्योंकि मैं पहले से एक जानी-पहचानी एक्ट्रेस थी, लेकिन मेरी फिल्म का विषय थोड़ा असहज था। शायद इसी वजह से कुछ लोग उससे पूरी तरह जुड़ नहीं पाए। फिर भी, मैंने वही फिल्म बनाई जो मैं बनाना चाहती थी, बिना किसी समझौते के। हां, मैं मानती हूं कि इस इंडस्ट्री में और भी ज्यादा महिलाओं को आना चाहिए- डायरेक्शन, लेखन, कैमरा, एडिटिंग हर जगह। क्योंकि जब औरतें कहानियां कहती हैं तो उसमें एक नया नजरिया, गहराई और खास किस्म की ताजगी आती है।

राम बनाम रावण की अमर कहानी रामायण का हिस्सा बनने पर गर्व है

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने डायरेक्टर नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण में अपने किरदार भगवान हनुमान को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। सनी ने फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मुझे गर्व है कि मैं इस कहानी का हिस्सा हूं, जिसने कई पीढ़ियों को बनाया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की रामायण की दुनिया में, जो राम बनाम रावण की अमर कहानी है। मैं आभारी हूं कि मुझे इस रास्ते पर चलने और आप सबके साथ इसे साझा करने का मौका मिला। उन्होंने लिखा, आइए इस खास पल को मिलकर मनाएं और साथ में वर्ल्ड ऑफ रामायणा की दुनिया में कदम रखें। यह हमारी सच्चाई है। हमारा इतिहास है। बता दें कि गुरुवार को मेकर्स ने रामायण का प्रोमो वीडियो शेयर किया, जिसमें रावण के अवतार में केजीएफ फेम सुपरस्टार यश की झलक देखने को मिली। वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव के शक्तिशाली चित्रण से होती है, जो पूरे ब्रह्मांड को चलाते हैं। फिर एनिमेशन के जरिए मुख्य पात्रों को दिखाया जाता है -भगवान श्रीराम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के किरदार में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश।

इस प्रोमो वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, दस साल की मेहनत और लगन के बाद, हमने दुनिया के सामने सबसे महान महाकाव्य रामायण को लाने का सपना पूरा किया है। इस फिल्म को बनाने में दुनिया के बेहतरीन लोगों ने मिलकर काम किया है, ताकि रामायण को आदर और सम्मान के साथ दिखाया जा सके। आपका स्वागत हैज आइए मिलकर राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं। फिल्म में लक्ष्मण का रोल रवि दुबे निभा रहे हैं और सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा के रोल में हैं। काजल अग्रवाल मंदोदरी और लारा दत्ता कैकई की भूमिका निभाएंगी। अरुण गोविल इसमें राजा दशरथ बने हैं। फिल्म सिर्फ एक भाग में नहीं, बल्कि दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 में आएगा और दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा। रामायण को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और आठ बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में रावण का किरदार निभाने के साथ-साथ यश सह-निर्माता भी हैं। फिल्म करीब 835 करोड़ रुपए के बजट से तैयार हुई है, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी बेसब्री से इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

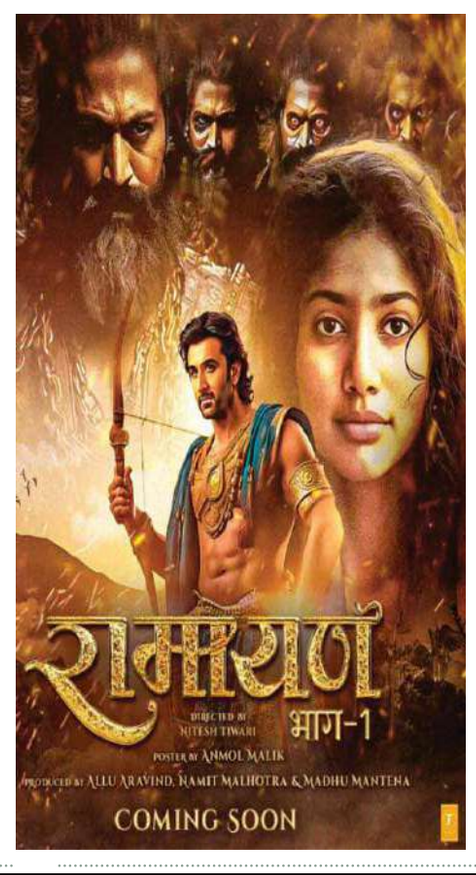

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।